राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 22 जनवरी–2022 वर्ष–4,अंक–360 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# आरटीआई कार्यकर्ताओं एवं देश के सभी नागरिकों के लिए ऐतिहासिक

## सुप्रीम कोर्ट ने सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 के प्रभावी कार्यान्वयन की मांग करने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक प्राधिकरणों के दायित्वों से निपटने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (''आरटीआई अधिनियम'') की धारा 4 के जनादेश के प्रभावी कार्यान्वयन की मांग करते हुए एक रिट याचिका में नोटिस जारी किया, जिसे याचिकाकर्ता ने दावा किया था, आरटीआई अधिनियम की आत्मा जिसके बिना क़ानून को ''सजावटी कानून'' में बदल दिया जाएगा।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश हालांकि शुरूमें इस मामले को उठाने से हिचकिचा रहे थे, याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई प्रार्थना के लिए दी जा सकने वाली राहत की प्रकृति के बारे में अनिश्चित, अंततः मामले को विस्तार से सुनने के लिए सहमत हुए।

प्रारंभ में, याचिकाकर्ता श्री के.सी. जैन ने पीठ को अवगत कराया कि उसके समक्ष तीन रिट याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें आरटीआई अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की गई है। इसी तरह, उनकी याचिका में धारा 4, और विशेष रूप से धारा 4 (2) को अनिवार्य रूप से लागू करने की मांग की गई है, जिसमें सार्वजनिक प्राधिकरणों को धारा 4 (1) (बी) में उल्लिखित उनके कामकाज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा करने के लिए अनिवार्य किया गया है।

## धारा 4(2) इस प्रकार है:

"धारा 4 -(2) प्रत्येक लोक प्राधिकरण का यह निरंतर प्रयास होगा कि वह उप–धारा (1) के खंड (बी) की आवश्यकताओं के अनुसार नियमित अंतराल पर जनता को स्वप्रेरणा से विभिन्न माध्यमों से अधिक से अधिक जानकारी प्रदान करे। संचार, जिसमें इंटरनेट भी शामिल है, ताकि जनता को सूचना प्राप्त करने के लिए इस अधिनियम के उपयोग का कम से कम सहारा मिल सके।"

**श्री जैन ने प्रस्तुत किया –**

"तीन रिट याचिकाएं आरटीआई अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए इस माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन हैं। यह याचिका धारा 4 के जनादेश के प्रभावी कार्यान्वयन की मांग करती है जो कि आरटीआई अधिनियम की आत्मा है, पारदर्शिता कानून जिसके बिना यह एक सजावटी कानून बना हुआ है। सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं का स्वतः प्रकटीकरण होना जनादेश का प्रतीक है।"

यह दावा किया गया था कि केंद्रीय सूचना आयोग ("सीआईसी") की रिपोर्ट धारा 4 के जनादेश के खराब अनुपालन को दर्शाती है। इसके अलावा, यह प्रस्तुत किया गया था कि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ("डीओपीटी"), संबंधित विभाग ने एक जारी किया था ऑफिस मेमोरेंडम ("ओएम") के लिए तीसरे पक्ष के ऑडिट की आवश्यकता होती है, जिसमें खराब भागीदारी देखी गई यानी केवल एक–तिहाई सार्वजनिक प्राधिकरणों ने भाग लिया।

"सीआईसी की रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि धारा 4 जनादेश का खराब अनुपालन है। हम प्रार्थना करते हैं कि जनादेश को प्रभावी किया जाए। डीओपीटी ने एक ओएम भी जारी किया है जिसमें कहा गया है कि एक थर्ड पार्टी ऑडिट भी होना चाहिए और रिपोर्ट से पता चलता है कि केवल एक –तिहाई सार्वजनिक प्राधिकरण इस तरह के ऑडिट के लिए गए। प्रदर्शन खराब था। 2018-19 और 2019-20 की सीआईसी रिपोर्ट रिकॉर्ड में है। एक बार प्रकटीकरण उचित होने पर यह पारदर्शिता कानून में एक बड़ा बदलाव करेगा।"

बेंच ने चिंता व्यक्त की कि जब कोई क़ानून लागू होता है, तो क़ानून के आदेश का निस्संदेह पालन किया जाना चाहिए और उस संबंध में न्यायालय को निर्देश जारी करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए

"इसका क्या अर्थ है कि प्रकटीकरण उचित होना चाहिए? विधायिका के पास कानून को लागू करने के लिए एक तंत्र है। एक निर्देश जारी करने का क्या मतलब है कि एक क़ानून के जनादेश का पालन किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से इसका पालन किया जाना चाहिए। क्या परमादेश इसमें जारी किया जाना है?"

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

स्वयं पर मूक विजय से ही वास्तविक महानता का उदय होता है। - अज्ञात

## संपादकीय

### सावधानी का समय

भारत में जैसे ही कोरोना जांच में वृद्धि हुई है, संक्रमण के मामले भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचे नजर आए हैं। पांच दिनों में संक्रमण के मामलों में कमी देखी जा रही थी, लेकिन अब संक्रमण तीन लाख के आंकड़े को पार कर गया है। आठ महीने बाद ऐसी स्थिति बनी है, ऐसे में भी महाराष्ट्र में सोमवार से स्कूल खोलने का फैसला निंदनीय है। जब वर्क फॉम होम की पैरोकारी हो रही है, तब स्कूल खोलने का फैसला कितना सही है? पिछले दिनों शादी-विवाह के मौसम और बाजारों, धर्मस्थलों में बढ़ी आवाजाही का नतीजा हम भुगत रहे हैं। बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण का विस्फोट हुआ है। मौतों की संख्या भी बढ़ी है, तब स्कूल खोलने का फैसला त्रासद है। क्या महाराष्ट्र में कोरोना मामले काबू में आ गए हैं? नहीं, सच्चाई यह है कि महाराष्ट्र कोरोना महामारी के मामले में नेतृत्व कर रहा है। भारत के चिकित्सा प्रभारियों को महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले पर आपत्ति करनी चाहिए। होता यह है कि एक सरकार जब कोई फैसला लेती है, तब दूसरी सरकारों पर ऐसे ही फैसले के लिए दबाव बढ़ता है। अत- यह जरूरी है कि हर सरकार समझदारी के साथ कदम बढ़ाए। ध्यान रहे कि यह लहर बच्चों को भी समान रूप से पीड़ित कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि दुनिया इस समय कोरोना की चौथी लहर से गुजर रही है। दुनिया में पिछले एक सप्ताह में प्रतिदिन 29 लाख मामले दर्ज किए जा रहे हैं। जब अफ्रीका और यूरोप में कोविड मामले घट रहे हैं, तब एशिया में बढ़त दिख रही है। भारत में अभी लगभग 19 लाख सक्रिय मामले दर्ज हैं। विशेषज्ञ जानते हैं कि पीड़ितों की वास्तविक संख्या इससे ज्यादा हो सकती है। संक्रमण के मामले अगर ऐसे ही बढ़ते रहे, तो जनजीवन स्वत- बाधित हो जाएगा। खैर, आधिकारिक रूप से सरकार ने मान लिया है कि देश में महामारी की तीसरी लहर चल रही है। ऐसे में, सरकार को अपनी बचाव संबंधी नीतियों को और चाक-चौबंद कर लेना चाहिए। पॉजिटिविटी दर 16 प्रतिशत के आसपास होना बहुत चिंताजनक है। स्कूल खोलने के लिए लालायित महाराष्ट्र की ही अगर बात करें, तो वहां साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट दो फीसदी से बढ़कर 22 प्रतिशत हो गई है। केरल में पॉजिटिविटी रेट 32 प्रतिशत व दिल्ली में 30 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में पॉजिटिविटी दर महज छह प्रतिशत दर्ज की जा रही है, लेकिन पूरी सावधानी बरतना समय की मांग है। बेशक, हम अभी बेहतर स्थिति में हैं। दूसरी लहर के चरम दौर में केवल दो प्रतिशत आबादी का टीकाकरण हुआ था, जबकि अब लगभग 72 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण हो चुका है। शायद यही कारण है कि इस बार मौतें कम हो रही हैं। दूसरी लहर 30 अप्रैल 2021 को चरम पर थी, उस दिन 3,86,452 नए मामले आए थे, 3,059 लोगों की जान गई थी और कुल सक्रिय मामले 31,70,228 थे। वहीं 20 जनवरी 2022 को 3,17,532 नए मामले, 380 मौतें और 19,24,051 सक्रिय मामले हैं। मामले यहां से और ऊपर न जाएं, इसके लिए हमें मिलकर बचाव, जांच, इलाज के पूरे इंतजाम से रहना होगा। देश जान-माल का और नुकसान झेलने की स्थिति में नहीं है। ध्यान रहे, गुरुवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि आने वाले 25 साल कड़ी मेहनत, त्याग व तपस्या की पराकाष्ठा होंगे। देशवासियों को यह साबित करने में मनोयोग से जुट जाना चाहिए।

## आज के कार्टून

## समान न्याय

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बन्द हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गयी है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

# सामूहिकता दिखाते हुए करें तीसरी लहर का मुकाबला

- ललित गर्ग

कोरोना की तीसरी लहर एक बार फिर बड़े संकट का इशारा कर रही है। अमेरिका से भारत तक एवं दुनिया के अन्य देशों में कोरोना के बढ़ते मामले चिंता में डालने लगे हैं, क्योंकि कोरोना की पहली एवं दूसरी लहर में जन-तबाही देखी है। पिछले सप्ताह से भारत में कोरोना संकट तेजी से बढ़ने लगा है। जबकि ठीक होने वालों का दैनिक आंकड़ा बहुत कम है, इसलिये सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ने लगी है। इस बीच देश में 15 से 18 साल के किशोरों को कोरोना टीका लगाने की शुरुआत स्वागत योग्य है। लंबे इंतजार के बाद जब किशोरों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हुआ तो स्वाभाविक ही इसे लेकर उत्साह दिखा। पहले ही दिन चालीस लाख से अधिक किशोरों ने टीका लगवाया। टीकाकरण शुरू होने से पहले इस उम्र वर्ग के आठ लाख किशोरों ने जिस उत्साह के साथ पंजीकरण कराया है, उससे साफ है कि इस आयु वर्ग के टीकाकरण में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। पहली लहर में देखा गया था कि बच्चों और किशोरों पर कोरोना का बहुत असर नहीं हुआ था। मगर दूसरी लहर में वे भी भारी संख्या में चपेट में आए थे। इसलिए भी तीसरी लहर को लेकर एक भय, डर एवं आशंका का माहौल है, किशोरों के सुरक्षित जीवन के लिये उनका टीकाकरण एक जरूरी एवं उपयोगी कदम है। देश में इस आयु वर्ग के करीब दस करोड़ किशोरों को वैक्सीन दी जानी है। किशोरों को केवल भारत बायोटेक की कोवैक्सीन ही लगाई जाएगी। किशोरों का दसवीं कक्षा का आईडी कार्ड रजिस्ट्रेशन के लिए पहचान का प्रमाण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 दिसम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर बच्चों-किशोरों को वैक्सीन देने की घोषणा की थी। कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लगा चुके वृद्ध लोगों के लिये 10 जनवरी 2022 से बूस्टर डोज लगाने का उपक्रम शुरू करना भी कोरोना को परास्त करने का एक प्रभावी चरण है। प्रारंभ में 60 से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों, स्वास्थ्यकर्मियों व अन्य कोरोना योद्धाओं को बूस्टर डोज लगने की विधिवत शुरुआत हो जाएगी। इससे प्रतीत होता है कि केन्द्र सरकार एवं प्रांत की सरकारें कोरोना को लेकर गंभीर है, जागरूक हैं। लेकिन सरकार की जागरूकता से ज्यादा जरूरी है आम आदमी की जागरूकता और अपनी सुरक्षा के लिए सचेत रहना। किशोरों के टीकाकरण में उत्साह से सहभागी बनने की जरूरत है, बिना किसी भय एवं आशंका के। याद रखें कि पूर्ण रूप से टीकाकरण के बावजूद इजरायल भी चिंता में है और अमेरिका में तो कोरोना की नई लहर आ गई है। भारत को हर तरह से सचेत रहकर कोरोना महामारी से लड़ना है और साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि फिर से लॉकडाउन की नौबत न आने पाए। दरअसल, टीके की उपलब्धता और किशोरों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों आदि के मद्देनजर सरकार ने इस दिशा में कोई कदम बढ़ाने से खुद को रोक रखा था। व्यापक जांच एवं परीक्षण के बाद अब वे दुविधाएं दूर हो चुकी हैं। हमारे देश में किशोरों की खासी बड़ी आबादी है। उनका टीकाकरण न हो पाने की वजह से स्कूल-कालेज खोलने को लेकर भी रुकावट पैदा हो रही थी। अभिभावक इस बात से सशंकित थे कि बच्चों को स्कूल भेजेंगे तो संक्रमण का खतरा बना रहेगा। ऐसा कई जगहों पर हुआ भी, जब स्कूल-कालेज खोले गए और बच्चे वहां गए, तो बड़ी संख्या में संक्रमित हो गए। फिर स्कूल बंद करने पड़े। पिछले दो साल से स्कूल-कालेज बंद रखने, आंशिक रूप से खोलने या ऑनलाइन पढ़ाई का नतीजा यह हुआ है कि बच्चों के सीखने की क्षमता पर बुरा प्रभाव पड़ा है। खासकर बोर्ड परीक्षाओं को लेकर फैसला करने में अड़चन आ रही थी। ऐसे में टीकाकरण अभियान शुरू होने से बच्चे, अभिभावक, स्कूल और बोर्ड परीक्षा संचालित कराने वाली संस्था तक संक्रमण से सुरक्षा को लेकर कुछ आश्वस्त हो सकेंगे। ऐसा इसलिये भी जरूरी है कि बच्चों को देश का भविष्य माना जाता है। बच्चों के उन्नत, स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य एवं कोरोना के संभावित खतरे को देखते हुए सरकार ने सोच-समझकर कोरोना के विरुद्ध कोई सार्थक वातावरण निर्मित किया है तो यह सराहनीय स्थिति है। ओमीक्रोन की तीव्र संक्रमण दर और बच्चों-किशोरों के भी इसकी चपेट में आने की खबरों ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी थी। स्कूल-कालेज बंद करने और कड़ी पाबंदियों के लौटने से हर कोई चिंतित है। अभिभावक तो पहले ही बच्चों का वैक्सीनेशन नहीं होने तक उन्हें स्कूल भेजने को तैयार नहीं थे। अब बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू होने से अभिभावकों को चिंता कम होगी, वहीं दूसरी ओर देश की शिक्षण संस्थाओं में स्थिति सामान्य बनाने में भी मदद मिलेगी। बच्चों के टीकाकरण से देशवासियों को नया सबल मिलेगा, स्वास्थ्य-सुरक्षा का वातावरण बनेगा। अभिभावकों को चाहिए कि वे किसी भ्रम में न रहें और बेवजह भयभीत न हों। अभिभावकों को जिम्मेदार व्यवहार दिखाते हुए किशोरों का टीकाकरण कराना चाहिए, इस टीकाकरण के लिये सकारात्मक वातावरण बनाने में सहयोगी बनना चाहिए। इस संबंध में उन्हें कोई लापरवाही नहीं बतरनी चाहिए। किशोरों के लिए शुरू हुए टीकाकरण अभियान में सरकार ने काफी सूझबूझ से काम लिया है, इस टीकाकरण की एक अच्छी बात यह भी है कि उनके लिए अलग से केंद्र बनाए गए हैं और स्कूलों में भी इसकी सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। स्कूलों को टीकाकरण केन्द्र बनाने से बच्चों को काफी सुविधा हुई है। किशोरों को आगामी बोर्ड परीक्षा को लेकर चिंता है। वे चाहते हैं कि परीक्षाएं शुरू होने से पहले दोनों खुराक ले लें, ताकि प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और वे संक्रमण से बच सकें। इसलिए भी किशोरों में टीकाकरण को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। शुरू में जब टीकाकरण अभियान चला था, तो इसे लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जताई गई थीं, जिसके चलते बहुत सारे लोगों के मन में हिचक बनी हुई थी। मगर कोरोना की दूसरी लहर में देखा गया कि जिन लोगों ने टीका लगवाया था, उन पर कोरोना का असर घातक नहीं रहा। इससे भी लोगों में टीकों को लेकर विश्वास पैदा हो गया था। इसलिए भी बहुत सारे अभिभावकों की मांग थी कि किशोरों के लिए भी टीकाकरण अभियान जल्दी शुरू किया जाए। भारत में कठिन परिस्थितियों में भी देशवासियों ने जिस तरह से कोरोना की दूसरी लहर का सामना किया है वे आज भी तीसरी लहर का सामना करने में सक्षम हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सतत जागरूकता, देशवासियों और कोरोना वारियर्स के लगातार संघर्ष ने हताशा के बीच भी जीवन को आनंदित बनाने का साहस प्रदान किया है, जो समूची दुनिया के लिये प्रेरणा का माध्यम बना है। इस समय पूरी दुनिया कोरोना के अदृश्य नए वैरियंट ओमीक्रोन से जूझ रही है। भारत में भी कोरोना के नए केस तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन भारतीयों के चेहरे पर कोई खौफ नजर नहीं आ रहा। इसका श्रेय देश में सफलतापूर्वक चल रहे टीकाकरण अभियान को जाता है। लेकिन जानबूझकर लापरवाही एवं पाबंदियों एवं बंदिशों की उपेक्षा घातक हो सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत दुनिया में सबसे तेज कोरोना टीकाकरण करने वाला देश है। 30 दिसम्बर तक भारत की 64 फीसदी आबादी को कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं और लगभग 90 फीसदी को कोरोना वैक्सीन की एक डोज लग चुकी है। सम्पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त करने में अभी भी लम्बा समय लगेगा। इसी तरह किशोर भी वैक्सीनेशन के बाद सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करेंगे। अभिभावक भी खुद को बच्चों-किशोरों के जीवन के प्रति किसी जोखिम की चिंता से मुक्त हो जाएंगे। कोरोना आपातकाल में जीवन को सुरक्षित और सहज बनाने के लिए टीका लगवाना जरूरी है। इसलिए जो लोग टीका लगवाने से झिझक रहे हैं, उन्हें भी टीका लगवाना चाहिए।

# सरकार प्राथमिकता से दूर करे संकट

भूपेंद्र सिंह हुड्डा

बेरोजगारी संकट देश की सामाजिक शांति, आर्थिक विकास और राजनीतिक ताने-बाने के लिए बड़ा खतरा है। वर्ष 2019 में एनएसएसओ के आंकड़ों के अनुसार देश में बेरोजगारी का स्तर पिछले 45 वर्षों में सबसे ज्यादा है। यह 34 प्रतिशत बेरोजगारी विशेष रूप से 20 से 24 वर्ष की आयु के बीच के भारतीय युवाओं में अधिक थी। सरकार की दोषपूर्ण आर्थिक नीतियों, कोरोना महामारी के प्रभाव, समाधान में प्राथमिकता न होने ने स्थिति को विकट बनाया। दरअसल, रोजगार के अवसरों की कमी होने से ये समस्या बनी हुई है। नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की बेरोजगारी में वांछित या जरूरी कौशल की कमी भी ऐसी समस्याओं का कारण बनती है, वहीं उपलब्ध नौकरियों की गुणवत्ता नौकरी चाहने वालों के कौशल या शिक्षा स्तर के अनुरूप न होना। हरियाणा में ऊंची डिग्री वाले शिक्षित युवाओं को ग्रुप-डी कर्मचारियों (चपरासी, सेवादार आदि) पदों पर भर्ती किया गया। वहीं कृषि क्षेत्र में दबे पांव बढ़ रही बेरोजगारी और भी अधिक नुकसानदायक है। दरअसल, समृद्ध और प्रगतिशील राज्य होने के बावजूद हरियाणा में बेरोजगारी की दर ज्यादा है। हाल ही में सीएमआई-सीईडीए द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक़ हरियाणा में बेरोजगारी दर सबसे अधिक यानी 34.1 प्रतिशत है, इसके बाद राजस्थान 27.1 प्रतिशत और झारखंड 17.3 प्रतिशत का नंबर है। हरियाणा प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश, रोज़गार देने में नंबर होने पर भी बेरोजगारी की स्थिति चिंताजनक है। सरकारी नौकरी पाना हालांकि युवाओं के लिये बड़ी चुनौती है। शिक्षकों के 50,000 से अधिक पदों सहित एक लाख से अधिक स्वीकृत पद खाली पड़े हुए हैं। एचएसएससी और एचपीएससी जैसी सरकारी भर्ती एजेंसियों का कामकाज संदेह के दायरे में है। प्रदेश में ऐसी कोई परीक्षा नहीं हुई जिसका पेपर लीक न हुआ हो, संगठित गिरोह लिखित परीक्षा पास करा रहे हैं। हाल ही में 27 लाख से अधिक उम्मीदवार जो पिछले 2 से 8 वर्षों से 9,361 पदों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें रद्द कर दिया गया। अन्य भर्तियां भी या तो रोक दी गई या फिर उन्हें रद्द कर दिया गया। हर साल नौकरी चाहने वालों की संख्या में औसतन 2.5 लाख की वृद्धि होती है और लगभग एक लाख युवा चयन प्रक्रिया में देरी के चलते अधिक उम्र के हो जाते हैं। इसके अलावा, बेरोजगार युवाओं को हरियाणा कौशल रोजगार निगम की वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अनुबंध, तदर्थ, आउटसोर्सिंग आदि पर काम कर रहे हजारों कर्मचारियों का भविष्य भी अनिश्चितता के भवंर में है। जाहिर है, रोजगार की बढ़ती मांग की तुलना में सरकारी नौकरियां सीमित संख्या में हैं। सरकारें ईमानदारी, गंभीरता और सहानुभूतिपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेपों के जरिये बेरोजगारी के इस दुश्चक्र को तोड़ें। उदाहरण के लिए, हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों का रोजगार अधिनियम, 2020 जिसे 15 जनवरी, 2022 से लागू किया गया है, के तहत 30,000 रुपये से कम मासिक वेतन वाली निजी क्षेत्र की नौकरियों में स्थानीय लोगों के लिए 75 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन इस क़ानून में हरियाणा अधिवास की योग्यता अवधि को कम करके 15 वर्ष से घटाकर 5 वर्ष करना अनुचित है। इस कानून की वैधता और संवैधानिकता को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। चैंबर्स ऑफ इंडस्ट्री और ट्रेड यूनियनें इसके कार्यान्वयन को लेकर आशंकित हैं। यह निवेश के लिए पसंदीदा स्थान के तौर पर हरियाणा के आकर्षण को भी बर्बाद कर देगा। उद्योग सस्ते और कुशल कार्यबल की कमी एवं इंस्पेक्टर राज के भ्रष्टाचार के कारण अन्य राज्यों की ओर चले जायेंगे। मौजूदा समय

में व्यापार का उदासीन माहौल, महामारी की तीसरी लहर का प्रकोप, बढ़ते एनपीए के कारण ऋण न मिलने के हालात, कमजोर जीडीपी, बढ़ती असमानताएं, कमजोर मांग और धीमा आर्थिक सुधार रोज़गार बाजार के फलने-फूलने में गंभीर बाधाएं खड़ी कर रहा है। दूसरा, सरकार को हमारी युवा पीढ़ी की रोजगार योग्यता को बढ़ाने के लिए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और उनके कौशल में वृद्धि करने की आवश्यकता है। वहीं उपयुक्त पाठ्यक्रम के साथ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। वहीं कृषि क्षेत्र सहित कृषि-उद्योग को मजबूत करने की आवश्यकता है क्योंकि इनमें बड़े पैमाने पर कुशल और अकुशल श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने की क्षमता है। मनरेगा कार्यक्रम की भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए। दूसरी ओर एमएसएमईज़ को प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाना चाहिए, जो कि बड़ी संख्या में कारीगरों, कुशल श्रमिकों, कलाकारों, पेशेवर विशेषज्ञों और पर्याप्त पेशेवर प्रशिक्षण हासिल करने वाले अन्य कामगारों को फायदेमंद रोजगार प्रदान करते हैं। वहीं बेरोजगारों की योग्यता के अनुसार उन्हें उपयुक्त बेरोजगारी भत्ता दिया जाना चाहिए।

## सू-दोकू नवताल -2027

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 3 | 9 | 5 | 4 | | 8 | | |
| | | | | | | | 6 | |
| 5 | | 8 | | | 2 | 9 | | 4 |
| | | | 3 | 7 | | | 8 | |
| 3 | | 5 | | | | 7 | | 9 |
| | 4 | | | 9 | 5 | | | |
| 4 | | 7 | 1 | | | 3 | | 2 |
| | 2 | | | | | | | |
| | | 6 | | 3 | 7 | 4 | 5 | |

### सू-दोकू -2026 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

## फिल्म वर्ग पहेली- 2027

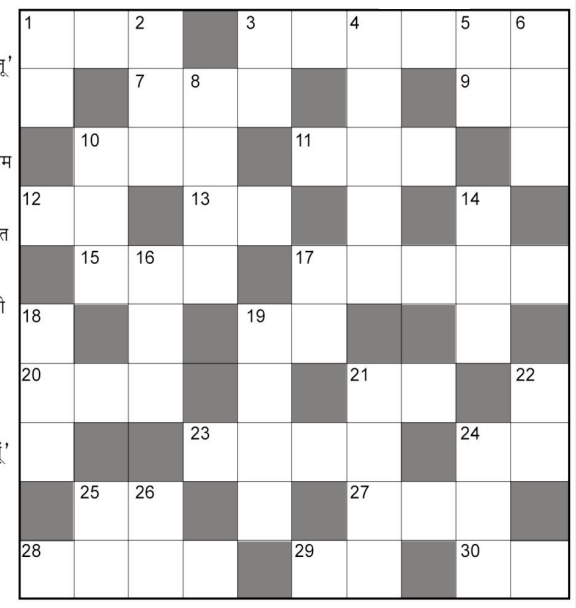

### बायें से दायें:-

1. सलमान खान, आयशा जुल्का की 'बैठा नीली झील किनारे' गीतवाली फिल्म-3
3. राजेश खन्ना, जया भादुड़ी की फिल्म-2,1,3
7. इमरान हाशमी, उदिता गोस्वामी, शमिता शेट्टी की 'ऐ बेखबर ऐ बेखबर' गीत वाली फिल्म-3
9. 'दो नैनों के पंख लगाकर' गीत वाली विनोद खन्ना, शबाना आजमी की एक फिल्म-2
10 जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-3
11. प्रभु देवा, काजोल की फिल्म-3
12. संजय दत्त, ईशा देओल की 'छम से वो आ जाये' गीत वाली फिल्म-2
13. 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-2
15. 'मिली तेरे प्यार की छाव' गीत वाली फिल्म-3
17. 'इस दीवाने लड़के को' गीत वाली सोनाली, आमिर खान की फिल्म-5
19. गोविंदा, नीलम की 'आपको अगर जरूरत है' गीत वाली फिल्म-2
20. 'मेरा नाम बिल्लू बिल्लू' गीत वाली मिथुन, आदित्य पंचोली की फिल्म-3
21. आमिर, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2
23. 'तू ने की बेकरारी' गीत वाली अजय देवगन, सुनील शेट्टी, प्रियंका चोपड़ा, दिया मिर्जा की फिल्म-2,2
24. लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
25. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
27. 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-3
28. 'एक ही घोंसला दो दिलों का' गीत वाली फिल्म-4
29. अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
30. 'एक अजनबी सा एहसास' गीत वाली सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की फिल्म-2

### ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, रति अग्निहोत्री, वहीदा रहमान अभिनीत फिल्म-2
2. अष्मित पटेल, मीरा अभिनीत 'आजा शोर मचा ले शोर' गीत वाली फिल्म-3
3. 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-2
4. अमिताभ बच्चन, राखी की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2,3
5. अनिल धवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की 1998 की एक सस्पेंस फिल्म-2
6. शबाना आजमी, मकरंद देशपांडे, श्वेता प्रसाद की 'पापड़ वाले पंगा ना ले' गीत वाली फिल्म-3
8. 'गोरे गोरे ये छोरे' गीत वाली सैफअली खान, रानी मुखर्जी की फिल्म-2,2
10. लकी अली, मीरा की 'बेचैनियों में लम्हा' गीत वाली फिल्म-3
14. 'वो दिल कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-3
16. शम्मी कपूर, संजीव कुमार, साधना की 'ऐ दोस्त मेरे मैंने दुनिया देखी है' गीत वाली फिल्म-3
17. 'बादलों से काट काट के' गीत वाली डी.चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-2
18. शाहरुख खान, मनीषा, प्रीति जिंटा की 'तू ही तू सतरंगी रे' गीत वाली फिल्म-2,1
19. 'आ पपियां झपियां पा लें हम' गीत वाली फिल्म-4
21. जीतेंद्र, रेखा की 'देखा ना कैसे डरा दिया' गीत वाली फिल्म-4
22. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज कुमार, नन्दा, जया भादुड़ी की फिल्म-2
24. फिल्म 'कृष्णा' में करिश्मा के साथ नायक-3
25. दिलीप कुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-2
26. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-2

### फिल्म वर्ग पहेली-2026

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बॉ | ड | र | | प | तं | गा | | हं | स |
| बी | | ई | श्व | र | | य | ल | गा | र |
| | द | स | | दे | | ब | ल | मा | |
| दो | स्त | | क | स | म | | का | | श |
| | क | सौ | टी | | हि | | र | क्ष | क |
| स | | | प | र | मा | त्मा | | त्रि | |
| फ | र्ज | | तं | | | | को | य | ला |
| र | | बा | ग | बा | न | | शि | | वा |
| | दे | व | | बु | | जो | श | | रि |
| मां | | चीं | | ल | की | र | | जीं | स |

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## रत्न, आभूषण निर्यात 5.76 फीसदी बढ़ा

**नई दिल्ली।** अमेरिका, हांगकांग और थाईलैंड जैसे प्रमुख देशों में अच्छी मांग के चलते रत्न और आभूषण का निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान 5.76 प्रतिशत बढ़कर 29.08 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा कि दिसंबर 2021 में निर्यात 29.49 फीसदी की वृद्धि के साथ 3.04 अरब डॉलर रहा। जीजेईपीसी के चेयरमैन ने कहा अमेरिका, हांगकांग, थाईलैंड और इजराइल जैसे प्रमुख व्यापार केंद्रों में अवकाश और त्यौहारी मांग अधिक रही। यह रफ्तार वित्त वर्ष के अंत में भी जारी रहेगी और हम 41.67 अरब डॉलर के निर्यात के तय लक्ष्य के करीब पहुंच जाएंगे। बयान के अनुसार तराशे और पॉलिश वाले हीरों का निर्यात अप्रैल-दिसंबर 2021 के बीच 23 फीसदी बढ़कर 18 अरब डॉलर तथा स्वर्ण आभूषणों का निर्यात 25.41 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.91 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

## जेएसडब्ल्यू स्टील का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 69 प्रतिशत बढ़ा

**नई दिल्ली।** जेएसडब्ल्यू स्टील का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर लगभग 69 प्रतिशत बढ़कर 4,516 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 पहले इसी तिमाही में यह 2,669 करोड़ रुपये था। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि 2021-22 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 38,225 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 22,006 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी का खर्च भी बढ़कर 31,986 करोड़ रुपये पर आ गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह 18,120 करोड़ रुपये था।

## रुपया गिरावट के साथ बंद

**मुंबई ।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया आठ पैसे की तेजी के साथ ही 74.43 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.50 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.40 के उच्च स्तर पर पहुंचा और उसके बाद 74.55 के निचले स्तर तक खिसका। अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे ठीक होकर 74.43 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में यह 74.51 रुपये प्रति डॉलर था। वहीं इसी बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी नीचे आकर 95.61 रह गया।

# संभावित रूप से हानिकारक कंटेंट की विजिबिलिटी को कम करेगा इंस्टाग्राम

**सैन फ्रांसिस्को।**

मेटा के स्वामित्व वाला फोटो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम अपने ऐप में संभावित रूप से हानिकारक कंटेंट को कम दिखाई देने के लिए नए कदम उठा रहा है। एनगैजेट की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने कहा कि यूजर्स के फीड और स्टोरीज में पोस्ट करने के तरीके को सशक्त करने वाला एल्गोरिदम अब ऐसे कंटेंट को प्राथमिकता देगा, जिसमें बदमाशी, अभद्र भाषा या हिंसा भड़काने वाली सामग्री हो सकती है। इंस्टाग्राम के नियम पहले से ही इस प्रकार की अधिकांश सामग्री को प्रतिबंधित करते हैं, जबकि परिवर्तन सीमा रेखा पोस्ट या कंटेंट को प्रभावित कर सकता है जो अभी तक ऐप के मॉडरेटर तक नहीं पहुंची है। कंपनी ने एक अपडेट में बताया, यह समझने के लिए कि क्या कोई चीज हमारे नियमों को तोड़ सकती है, हम चीजों को देखेंगे जैसे कि कैप्शन एक कैप्शन के समान है जो पहले हमारे नियमों को तोड़ता था। अब तक, इंस्टाग्राम ने ऐप के सार्वजनिक-सामना वाले हिस्सों से संभावित आपत्तिजनक कंटेंट को छिपाने की कोशिश की है, जैसे कि एक्सप्लोर। लेकिन यह नहीं बदला है कि इस प्रकार की सामग्री पोस्ट करने वाले खातों का पालन करने वाले यूजर्स के लिए यह कैसा दिखता है।

लेटेस्ट परिवर्तन का अर्थ है कि समान वाली पोस्ट जिन्हें पहले हटा दिया गया है, वे विजिटर्स को भी बहुत कम दिखाई देंगी। मेटा के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि संभावित रूप से हानिकारक पोस्ट अभी भी अंततः हटाए जा सकते हैं यदि पोस्ट अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों को तोड़ती है।

अपडेट 2020 में इसी तरह के बदलाव का अनुसरण करता है जब इंस्टाग्राम ने डाउन-रैंकिंग अकाउंट शुरू किया, जिसमें गलत सूचना साझा की गई थी, जिसे फैक्ट-चेकर्स ने खारिज कर दिया था। उस बदलाव के विपरीत, हालांकि, इंस्टाग्राम ने कहा कि लेटेस्ट नीति केवल व्यक्तिगत पोस्ट को प्रभावित करेगी और कुल खातों को नहीं।

## एचडीएफसी लाइफ को तीसरी तिमाही में 274 करोड़ का शुद्ध लाभ

**मुंबई ।**

एचडीएफ़सी लाइफ का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में तीन प्रतिशत बढ़कर 273.65 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 264.99 करोड़ रुपये पर रहा था। कंपनी की कुल आय हालांकि आलोच्य तिमाही में घटकर 14,222.22 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 21,126.80 करोड़ रुपये थी। एचडीएफसी लाइफ ने कहा, एक्साइड लाइफ के अधिग्रहण को लेकर एक जनवरी, 2022 को, कंपनी ने तरजीही आधार पर आपस में तय 685 रुपये प्रति शेयर मूल्य पर 8,70,22,222 इक्विटी शेयर जारी किए। साथ ही एक्साइड लाइफ के 100 प्रतिशत इक्विटी शेयरों के एवज में एक्साइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड को शेष 725.98 करोड़ रुपये का नकद भुगतान किया, जिससे एक्साइड लाइफ का अधिग्रहण पूरा हो गया।इसके साथ एक जनवरी, 2022 से एक्साइड लाइफ कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई है।

## बिटकॉइन 40,000 डॉलर कमजोर, ईथर, डॉगकोइन में भी बड़ी गिरावट

**मुंबई ।**

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में शुक्रवार को बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। बिटकॉइन की कीमत 40,000 डॉलर के स्तर से नीचे पहुंच चुके हैं। जिसकी वजह से इसका मार्केट कैप 5 फीसदी कम होकर गिरकर 39,749 डॉलर हो गया है। इस वर्ष की शुरुआत के बाद से बिटकॉइन 10 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने को मिल चुकी है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम 3,000 डॉलर के निशान से नीचे चली गई है। जानकारी के मुताबिक यह 7 फीसदी से अधिक गिरकर 2,914 डॉलर पर आ गई है। बिटकॉइन के 60 फीसदी की रिटर्न की तुलना में पिछले साल इथेरियम ने लगभग 400 फीसदी का रिटर्न दिया था। हालांकि यह करेंसी जनवरी के महीने में 18 फीसदी से ज्यादा नीचे आ चुकी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रिप्टो फंडों ने लगातार पांचवें सप्ताह में आउट फ्लो देखा है। इसी तरह डॉगकोइन की कीमत भी 7 फीसदी गिरकर 0.15 डॉलर हो गई, जबकि शीबा इनु लगभग 6 फीसदी गिरकर 0.000026 डॉलर हो गई। अन्य क्रिप्टो जैसे कार्डानो में 11 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, जबकि एक्सआरपी, पोलकाडॉट, टीथर, लिटकोइन सोलाना, टेरा, स्टेलर भी पिछले 24 घंटों में 3-10 फीसदी की कटौती के साथ कारोबार कर रहे थे। क्रिप्टोकरेंसी इंडस्ट्री को हाल के दिनों में कई नियामक बाधाओं का सामना करना पड़ा है, क्योंकि दुनिया भर में फैली डिजिटल संपत्ति के तेजी से विकास को संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है।

# शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

## सेंसेक्स 59,037 , निफ्टी 17,617 पर बंद , एक सप्ताह में निवेशकों के 8.70 लाख करोड़ डूबे

**मुंबई ।**

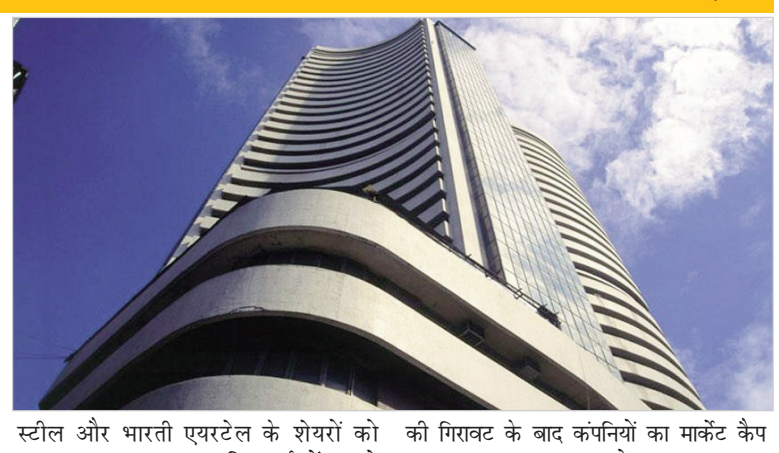

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों बजाज फिनसर्व, एल एंड टी और इन्फोसिस आदि के शेयरों के नीचे आने से आई है। बाजार जानकारों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों के लगातार पूंजी निकालने से से भी कारोबारी धारणा पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 427.44 अंक करीब 0.72 फीसदी की गिरावट के साथ ही 59,037.18 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 139.85 अंक तकरीबन 0.79 फीसदी फिसलकर 17,617.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में कुछ प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली (खरीददारी) से बाजार की गिरावट पर अंकुश लगा है। हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी और नेस्ले इंडिया के शेयर लाभ में रहे जबकि बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील और भारती एयरटेल के शेयरों को नुकसान हुआ। बजाज फिनसर्व में सबसे ज्यादा 5.37 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, भारतीय एयरटेल, एल एंड टी, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और इन्फोसिस के शेयर भी गिरे हैं। वहीं दूसरी ओर एचयूएल, मारुति, एचडीएफसी लि., एचडीएफसी बैंक और टीसीएस के शेयर लाभ में रहेइनमें 2.68 प्रतिशत तक की तेजी रही। इस सप्ताह के अंदर ही सेंसेक्स में करीब 2200 अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। आज की गिरावट के बाद कंपनियों का मार्केट कैप घटकर 269.85 लाख करोड़ रुपए रह गया। वहीं पिछले सप्ताह बीएसई का मार्केट कैप 278.54 लाख करोड़ रुपए था। इस तरह साप्ताहिक आधार पर निवेशकों को 8.70 लाख करोड़ का नुकसान हुआ।

इस सप्ताह के पहले दिन कंपनियों का मार्केट कैप 280 लाख करोड़ के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया था। उस स्तर से निवेशकों की संपत्ति में 10 लाख करोड़ से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है।

# प्रोजेक्ट आइरिस कोडनेम वाले एआर हेडसेट पर काम कर रहा है गूगल

**सैन फ्रांसिस्को।**

गूगल एक एआर हेडसेट पर काम कर रहा है, जिसका कोडनेम प्रोजेक्ट आइरिस है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, परियोजना से परिचित दो लोगों के मुताबिक, गूगल ने हाल ही में एआर हेडसेट पर काम शुरू कर दिया है, आंतरिक रूप से कोडनेम प्रोजेक्ट आईरिस, जिसे 2024 में शिप करने की उम्मीद है। गूगल की आगामी डिवाइस वास्तविक दुनिया के वीडियो फीड के साथ कंप्यूटर ग्राफिक्स को मिश्रित करने के लिए बाहरी कैमरे का उपयोग करेगी, स्नैप और मैजिक लीप की पसंद से मौजूदा एआर ग्लास की तुलना में अधिक इमर्सिव, मिश्रित वास्तविकता अनुभव तैयार करेगी। डिवाइस कथित तौर पर अभी भी शुरूआती विकास में है। एक कस्टम गूगल प्रोसेसर द्वारा संचालित है और एंड्रॉइड पर चलता है। एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गूगल एक अनिर्दिष्ट अभिनव एआर डिवाइस के लिए ऑगमेंटेड रियलिटी ओएस (ऑपरेटिंग सिस्टम) बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम पर रख रहा है। गूगल के एक वरिष्ठ कार्यकारी मार्क ल्यूकोवस्की ने लिंक्डइन पोस्ट में कहा कि वह गूगल में एआर के लिए ऑपरेटिंग सिस्टम टीम का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने पोस्ट किया, यदि आप इस यात्रा में मेरे साथ शामिल होने में रुचि रखते हैं, तो मुझे आपसे बात करना अच्छा लगेगा।

उन्होंने पहले ओक्यूलस वीआर/फेसबुक/मेटा में ऑपरेटिंग सिस्टम के महाप्रबंधक के रूप में चार साल बिताए थे। 2004-09 तक गूगल में काम करने से पहले, ल्यूकोवस्की 16 साल तक अपने करियर में माइक्रोसॉफ्ट में थे।

## चीन ने एक माह में दूसरी बार कर्ज दरों में की कटौती

**नई दिल्ली ।**

पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अपनी एक साल की लोन प्राइम रेट को 10 आधार अंकों की कटौती करके 3.7 फीसदी कर दिया। चीन ने एक महीने में दूसरी बार दर में कटौती की है। पहली बार कटौती दिसंबर 2021 में हुई थी, तब चीन के केंद्रीय बैंक ने अप्रैल 2020 के बाद पहली बार बेंचमार्क उधार दर को छुआ था। केंद्रीय बैंक ने भी अपनी पांच साल की लोन प्राइम रेट को पांच आधार अंक घटाकर 4.6 फीसदी कर दिया। यह जो अप्रैल 2020 के बाद से इस दर में पहली कटौती है। चीन की लोन प्राइम रेट वह दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपने सर्वोत्तम ग्राहकों को उधार देते हैं और यह अन्य ऋणों के लिए बेंचमार्क दर के रूप में कार्य करती है। एक साल की मैच्योरिटी, नए और बकाया ऋणों को प्रभावित करती है जिन्हें कम समय सीमा में वापस भुगतान किया जाना चाहिए। वहीं पांच साल की मैच्योरिटी आमतौर पर मॉर्गेज के लिए एक रेफरेंस के रूप में कार्य करती है। दोनों दरों में कटौती करने का चीन के केंद्रीय बैंक का निर्णय चीन द्वारा मौद्रिक नीति को ढीला करने के लिए उठाए गए कदमों की एक श्रृंखला में नवीनतम है, क्योंकि अधिकारी रियल एस्टेट बाजार में गहरी मंदी और धीमे आर्थिक विकास से जूझ रहे हैं।

# आईसीआईसीआई बैंक ने एफडीआई की ब्याज दरों में किया बदलाव

**मुंबई ।**

देश का प्रमुख प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में बदलाव किया है। हाल ही में एसबीआई से लेकर एचडीएफसी समेत कई बैंकों ने एफडी की ब्याज दरों में इजाफा किया है ताकि आम निवेशकों का रुख एफडी की ओर बढ़ सके। वहीं सरकार भी टैक्स सेविंग एफडी के लॉक इन पीरियड को पांच साल से तीन करने की योजना पर काम कर रही है। दो करोड़ से कम डिपॉजिट पर नए बदलाव के बाद आईसीआईसीआई बैंक सात दिनों और 14 दिनों के बीच मेच्योरिटी के साथ एफडी पर पर 2.5 फीसदी की ब्याज दर, 30 दिनों और 45 दिनों से कम की एफडी के लिए तीन फीसदी और 91 दिनों और 120 दिनों से कम के बीच एफडी के लिए 3.5 फीसदी की ब्याज दर की ऑफर कर रहा है।

185 दिनों से 210 दिनों में मैच्योर होने वाली एफडी के लिए प्राइवेट लेंडर 4.4 फीसदी ब्याज दर की पेशकश कर रहा है। एक साल से 389 दिनों के लिए बैंक पांच फीसदी दे रहा है। पांच साल के लिए एक दिन से 10 साल तक, यह 5.6 फीसदी की ब्याज दर की ऑफर कर रहा है। आईसीआईसीआई बैंक वरिष्ठ नागरिकों को चुनिंदा परिपक्वता पर उच्च दर प्रदान करता है। वरिष्ठ नागरिकों को 7 दिन से 10 साल में मैच्योर होने वाली जमा पर तीन फीसदी से 6.35 फीसदी तक की ब्याज दर मिलेगी।

## इस साल वैश्विक स्तर पर बेरोजगारों की संख्या 20.7 करोड़ पहुंचेगी- आईएलओ

**मुंबई ।**

वैश्विक स्तर पर बेरोजगारों की संख्या लगभग 2023 तक कोविड-पूर्व के स्तर से ऊपर रहेगी। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल 2022 में दुनियाभर में बेरोजगारों की संख्या 20.7 करोड़ रहेगी। यह 2019 की तुलना में 2.1 करोड़ अधिक है। जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने 2022 में श्रम बाजार में पुनरुद्धार के अपने पूर्वानुमान को नीचे किया है। आईएलओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर कार्य के घंटों में गिरावट 2019 की चौथी तिमाही की तुलना में 5.2 करोड़ पूर्ण रोजगार जितनी रहेगी। मई, 2021 में यह कमी 2.6 करोड़ पूर्ण रोजगार के बराबर रहने का अनुमान लगाया गया था। आईएलओ की वैश्विक रोजगार और सामाजिक परिदृश्य रुझान रिपोर्ट-2022 में कहा गया है कि वैश्विक श्रम बाजारों पर महामारी का असर जारी है। रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक बेरोजगारी कम से कम 2023 तक कोविड-पूर्व के स्तर से ऊपर रहेगी।

## RIL परिणामः कारोबार में चौतरफा मजबूती के चलते आय में हो सकती है डबल डिजिट ग्रोथ

**नई दिल्ली:**

बाजार पूंजीकरण के आधार पर सबसे बड़ी भारतीय कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड आज वित्त वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही के लिए अपने नतीजों की घोषणा करेगी। तेल, दूरसंचार और रिटेल सेक्टर की दिग्गज कंपनी के नतीजों में रिफाइनिंग, टेलीकॉम और E&P बिजनेस में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल सकता है और इसी प्रदर्शन के बलबूते दिसंबर 2021 को समाप्त तीसरी तिमाही के लिए रेवन्यू और अर्निंग में डबल डिजिट की सालाना वृद्धि दिख सकती है। ब्रोकरेज को उम्मीद है कि मुकेश अंबानी की कंपनी तिमाही के लिए 1.81-1.91 लाख करोड़ रुपए के कंसोलिडेटेड रेवन्यू में सालाना आधार पर 50-60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगी और तीसरी तिमाही के लिए कर-पश्चात मुनाफा (PAT) 12-16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14,800-15,300 करोड़ रुपए हो सकता है। एक अन्य अनुमान के मुताबिक तीसरी तिमाही में RIL से बेहतर नतीजों की उम्मीद है। कंपनी की आय साढ़े 15 फीसदी बढ़कर 1 लाख 93 हजार करोड़ रह सकती है। कंपनी के मुनाफे में 13 फीसदी का उछाल संभव है। वहीं कंपनी के पेटकेम और टेलीकॉम कारोबार से अच्छे प्रदर्शन का अनुमान है। Jio का ARPU 144 से बढ़कर 148 रुपए हो सकता है। इस बार जनवरी सीरीज में Reliance में 5% से ज्यादा का उछाल रहा है। कंपनी ने पिछले साल इसी तिमाही के दौरान 1.18 लाख करोड़ रुपए के कंसोलिडेटेड रेवन्यू पर 13,101 करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड मुनाफा दर्ज किया था। वहीं पिछली तिमाही के लिए यह आंकड़ा 13,680 करोड़ रुपए था, जिसमें कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवन्यू 1.7 लाख करोड़ रुपए रहा था।

## वॉलमार्ट ने भारतीय विक्रेताओं को अमेरिका बाजार में कारोबार करने के लिये आमंत्रित किया

**नयी दिल्ली,**

खुदरा क्षेत्र की प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी वॉलमार्ट ने भारत के चुनिंदा विक्रेताओं को कंपनी के ई-वाणिज्य मंच से जुड़ने और कारोबार करने के लिये आमंत्रित किया है। वॉलमार्ट के अनुसार वह हर महीने लगभग 12 करोड़ से अधिक अमेरिकी खरीदारों को सेवा प्रदान करती है। भारत पहले से ही वॉलमार्ट के लिए शीर्ष बाजारों में से एक है। कंपनी ने 2027 तक प्रत्येक वर्ष भारत से 10 अरब डॉलर डालर के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। वॉलमार्ट ने एक बयान में कहा, यह पहल भारतीय विक्रेताओं के साथ वॉलमार्ट के पिछले 20 वर्षों से जारी संबंधों का विस्तार है।

कंपनी के अनुसार इस पहल के तहत भारत के चुने गये विक्रेताओं को वॉलमार्ट की उपलब्ध सेवाओं का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही भारतीय विक्रेता अमेरिका में वॉलमार्ट के भंडारण और डिलिवरी के बुनियादी ढांचे का उपयोग भी कर सकेंगे। वालमार्ट की उपाध्यक्ष (उभरते बाजार और व्यापार विकास) मिशेल मी ने कहा, भारतीय निर्यातकों के साथ हमारी पुरानी भागीदारी के मद्देनजर, वॉलमार्ट अब भारतीय कारोबारियों को मार्केटप्लेस विक्रेता के तौर पर जुड़ने का अवसर दे रही है ताकि वे निर्यात के क्षेत्र में अपने सपनों को पूरा कर सके। वे वॉलमार्ट के वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बुनियादी ढांचा का लाभ उठाकर अमेरिका में हर दिन लाखों ग्राहकों तक पहुंच सकते हैं।''

## सार समाचार

### यूपी में चुनावी माहौल बनाने के लिए अब घर-घर पर्चा बांटेंगे जेपी नड्डा

#### गृह मंत्री अमित शाह ने भी कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मोर्चा संभाला

लखनऊ। यूपी में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने अधिकांश विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार तय करने के बाद एक बार फिर प्रचार अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी तेज कर दी है। पहले फेज की वोटिंग से पहले पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह ने भी मोर्चा संभाल लिया है। नड्डा के साथ गृह मंत्री अमित शाह कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए यूपी में प्रचार अभियान को गति देंगे। नड्डा आगरा और बरेली में संगठन की बैठकें कर पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों को वर्चुअल प्रचार अभियान की रणनीति से अवगत कराएंगे। बरेली में वह डोर-टू-डोर चुनाव प्रचार करेंगे।

वह आगरा में राउली महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद नड्डा एसएनजी गोल्ड रिसॉर्ट में 40 विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारियों के साथ कई बैठकें करेंगे। आगरा से नड्डा दोपहर बरेली पहुंचेंगे। वह नौ विधान सभा क्षेत्रों के वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ भाजपा के प्रचार रथ को रवाना करेंगे। योगी, शाम को 4 :00 बजे पार्टी के संवाद कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पश्चिमी उत्तर प्रदेश के उद्योग संगठनों के प्रभारियों से बातचीत करेंगे।

### शामली से बेटे को टिकट नहीं मिलने पर राजेश्वर बंसल ने रालोद छोड़ा



मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल ने अपने बेटे को शामली विधानसभा सीट से टिकट नहीं दिये जाने के बाद पार्टी से इस्तीफा दे दिया। राजेश्वर बंसल और उनके बेटे अखिल बंसल ने बृहस्पतिवार को पार्टी के नेता जयंत चौधरी को अपने-अपने इस्तीफे भेजे। समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल गठबंधन ने शामली से प्रसन्न चौधरी को टिकट दिया था, जो मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। कैराना से पूर्व विधायक राजेश्वर ने शामली से अपने बेटे अखिल को टिकट देने की मांग की थी। पार्टी के संस्थापक अजित सिंह ने 2020 में राजेश्वर को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया था और उन्हें क्षेत्र में कद्दावर नेता के तौर पर जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। पहले चरण में 10 फरवरी को मतदान होगा। 10 मार्च को मतगणना होगी।

### आगरा में सपना चौथरी के डांस प्रोग्राम में कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ी, पुलिस ले सकती है एक्शन

आगरा। कोरोना वायरस का बढ़ता प्रकोप जहां दुनिया भर में चिंता का कारण बन रहा है, वहीं दूसरी तरफ हम लोगों की तरफ से महामारी को गंभीरता से न लेकर उसकी अनदेखी करने की हरकतें की जा रही हैं। लापरवाही बरतने वालों में से एक हैं सपना चौथरी और उनके शो की मेजबानी करने वाले निमार्ता। गुरुवार को आगरा में फेमस डांसर सपना चौधरी की डांस परफॉर्मेंस हुई। इस कार्यक्रम के दौरान कोविड प्रोटोकॉल की खुलेआम अनदेखी की गई। सपना के शो को देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया गया। कार्यक्रम के दर्शक इतने बड़े हो गए कि कोविड दिशानिर्देश का पालन नहीं किया जा सका। आगरा में सपना चौधरी अपने मशहूर गाने तेरी आख्या का वो काजल पर ठुमके लगा रही थी। संपना के डांस को देखने के किए काफी संख्या में लोग जुटे हुए थे। सरकार की तरफ से एक समय में एक साथ इतने लोगों को साथ बैठने की मनाही हैं क्यों कि कोरोना वायरस काफी तेजी से फैल रहा है। ऐसे में इस रह का इवेंट अपने आप में ही सवालिया हैं।

### उत्तर प्रदेश में चुनाव बाद गठबंधन की परिस्थिति आने पर इस बारे में विचार किया जाएगा: प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद सरकार गठन के लिए विपक्षी दलों के गठबंधन की परिस्थिति पैदा होने पर उनकी पार्टी इस पर विचार करेगी। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अगर ऐसी किसी गठबंधन सरकार में कांग्रेस शामिल होगी तो उसकी एक शर्त युवाओं और महिलाओं से जुड़े अपने एजेंडे को लागू कराने की होगी।



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 'भर्ती विधान: युवा घोषणापत्र' जारी करते हुए प्रियंका ने एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की।

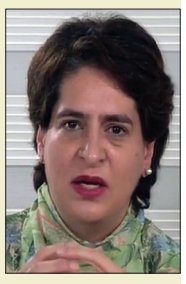

उनसे सवाल किया गया कि क्या चुनाव के बाद जरूरत पड़ने पर कांग्रेस विपक्ष के गठबंधन में शामिल होगी? इसके जवाब में कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कहा, 'अगर ऐसी परिस्थिति आती है तो इस बारे में विचार किया जाएगा। अगर ऐसी परिस्थिति आई तो हम यह चाहेंगे कि जो हमारा एजेंडा युवाओं और महिलाएं के लिए है वो पूरा हो। यह हमारी एक शर्त होगी।'

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की ओर से चेहरे के सवाल पर उन्होंने परोक्ष रूप से अपना हवाला देते हुए कहा, 'क्या आपको कोई चेहरा नजर आ रहा है?' उन्होंने यह भी कहा कि उनके चुनाव लड़ने के बारे में फिलहाल कोई फैसला नहीं हुआ है। प्रियंका ने कहा, 'अगर यह तय होगा तो आप लोगों को पता चल जाएगा।' उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव सात चरणों में होगा। पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को और सातवें एवं अंतिम चरण का मतदान सात मार्च को होगा। 10 मार्च को नतीजे घोषित होंगे।

### भाजपा विधायक तेजेंद्र निर्वाल पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज

मुजफ्फरनगर (उप्र)। उत्तर प्रदेश में भाजपा विधायक तेजेंद्र निर्वाल और उनके समर्थकों के खिलाफ आदर्श आचार संहिता का कथित उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक निर्वाल और उनके करीब 100 समर्थकों के खिलाफ बृहस्पतिवार को भारतीय दंड संहिता की धारा-188, 269 और 270 एवं महामारी बीमारी अधिनियम-1897 की धारा-तीन के तहत दो-दो अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

# भाजपा में शामिल होने के बाद लखनऊ में अपर्णा यादव ने लिया नेताजी का आशीर्वाद

## ट्वीट किया भाजपा की सदस्यता लेने के बाद लखनऊ आने पर पिताजी का आशीर्वाद लिया

**लखनऊ। (एजेंसी)**

नई दिल्ली में भाजपा के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता लेने वाली अपर्णा बिष्ट यादव गुरूवार रात लखनऊ पहुंची। समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा बिष्ट यादव ने शुक्रवार को सुबह नेताजी का आशीर्वाद लिया। अपर्णा यादव ने आशीर्वाद लेने के बाद ट्वीट भी किया। अपर्णा यादव ने ट्वीट किया कि भाजपा की सदस्यता लेने के बाद लखनऊ आने पर पिताजी व नेताजी का आशीर्वाद लिया।

इससे पहले गुरुवार रात लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ उनके समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट के बाहर उनके समर्थक ढोल-नगाड़े के साथ मुस्तैद थे, और उनके आगमन पर जमकर फूलों की बारिश भी की गई। इसके बाद भांगड़ा तथा अन्य नृत्यों पर इनके समर्थक काफी देर तक झूमते रहे। एयरपोर्ट से घर आने के रास्तों पर भी जगह-जगह पर अपर्णा का स्वागत किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा बिष्ट यादव को सपा ने 2017 के विधानसभा चुनाव में लखनऊ की कैंट विधानसभा सीट से चुनाव के मैदान में उतारा था। इसमें भाजपा की डा रीता बहुगुणा जोशी ने अपर्णा यादव को पराजित किया था। इस चुनाव में मुलायम सिंह यादव ने अपर्णा यादव के समर्थन में जनसभा की थी। मुलायम सिंह यादव ने 2017 के विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपर्णा यादव, शिवपाल सिंह यादव तथा स्वर्गीय पारसनाथ यादव के पक्ष में ही जनसभा की थी। शिवपाल सिंह यादव इटावा के जसवंतनगर तथा पारस नाथ यादव जौनपुर के मल्हनी से चुनाव लड़े थे। 2017 के विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहीं रीता बहुगुणा जोशी को भाजपा ने प्रयागराज से 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ाया। उनके सांसद बनने



के बाद कैंट सीट पर उप चुनाव में समाजवादी पार्टी ने अपर्णा यादव को टिकट नहीं दिया था। उप चुनाव में भी भाजपा ने जीत दर्ज की थी।

# सपा के लिए सबसे मुफीद सीट है करहल

## 2002 के बाद से लगातार है सपा का कब्जा

**मैनपुरी (एजेंसी)**

सपा प्रमुख अखिलेश यादव सबसे मुफीद सीट करहल से चुनाव लडने जा रहे हैं। इस सीट पर 2002 के बाद से लगातार सपा का कब्जा है। वर्तमान विधायक सोबरन सिंह के प्रस्ताव पर सपा ने यह फैसला लिया। सोबरन ने कहा कि अखिलेश बस नामांकन कर जाएं, उन्हें रिकार्ड मतों से जिताकर भेजेंगे। करहल को लेकर सपा के इस आत?मविश?वास की कई वजहें हैं।

करहल सीट समाजवादी पार्टी के गठन से उसका गढ़ रही है। तीन दशक से पार्टी का सीट पर कब्जा है। अपवादस्वरूप 2002 के चुनाव में सोबरन सिंह यादव भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते लेकिन कुछ माह बाद वह भी समाजवादी पार्टी का हिस्सा बन गए। तब से लगातार यह सीट सपा के कब्जे में ही है। करहल सीट सपाई दबदबे के साथ जातीय समीकरण के लिहाज से भी बेहद मुफीद है, क्योंकि कुल मतदाताओं के लगभग 38 फीसदी यादव है।बुधवार को चार बार के विधायक सोबरन सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से आग्रह किया था कि वह करहल सीट से चुनाव लड़ें। गुरुवार को पार्टी की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी गई। वर्तमान विधायक सोबरन सिंह पार्टी के इस निर्णय से फूले नहीं समा रहे। उन्होंने हिन्दुस्तान से कहा- अखिलेश केवल नामांकन करके यहां से चले जाएं। हम उनको रिकार्ड मतों से जिताकर लखनऊ भेजेंगे। यूपी में सपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी और क्षेत्र का विकास होगा। पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव लंबे समय से लोकसभा में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लिहाजा हर जाति व वर्ग का समर्थन उन्हें हासिल है। कोई भी मुद्दा या लहर भी इस सीट को प्रभावित नहीं कर सका है। सपा मुखिया का करीबी जुड़ाव भी करहल से है। मुलायम ने करहल के जैन इंटर कॉलेज से ही शिक्षा ग्रहण की थी। यहां पर वह कुछ समय शिक्षक भी रहे। सैफई से करहल महज चार किलोमीटर की दूरी पर है, इस कारण सैफई के विकास की खुशबू से करहल हमेशा ही लाभान्वित होता रहा है। करहल विधानसभा सीट 1956 के परिसीमन के बाद प्रकाश में आई। 1957 में पहलवान नत्थू सिंह यादव प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से पहले विधायक चुने गए। इसके बाद तीन बार स्वतंत्र पार्टी का प्रत्याशी जीता। अगले चुनाव में भारतीय क्रांति दल व जनता पार्टी के टिकट पर नत्थू सिंह निर्वाचित हुए। कांग्रेस के टिकट पर 1980 में पहली बार शिवमंगल सिंह जीते लेकिन उसके बाद जाति की हवा बहने लगी। 1980 में हारने वाले बाबूराम लगातार पांच बार विधायक चुने गए। 1985 में लोकदल के टिकट पर और उसके बाद क्रमशः दो बार जनता पार्टी व दो बार सपा के टिकट पर निर्वाचित हुए। 2002 से सोबरन सिंह भाजपा से जीते लेकिन कुछ दिन बाद ही सपा में आ गए और उसके बाद हुए तीनों चुनाव सपा के टिकट से जीत हासिल की है।

बताया जा रहा है कि करहल के ऐतिहासिक मोटामल मंदिर से महाराजा पृथ्वीराज चौहान का जुड़ाव रहा है। पृथ्वीराज चौहान कन्नौज के राजा जयचंद की बेटी संयोगिता से प्रेम करते थे। कन्नौज के राजा जयचंद ने जब अपनी बेटी संयोगिता के विवाह लिए स्वयंवर का आयोजन किया तो पृथ्वीराज को छोड़कर देश के तमाम राजा बुलाए गए थे। निमंत्रण न मिलने से नाराज महाराजा पृथ्वीराज ने अपने प्रेम को पाने के लिए कन्नौज पर चढ़ाई कर दी। पृथ्वीराज चौहान स्वयंवर स्थल से संयोगिता को लेकर दिल्ली ले जाने लगे तब जयचंद की सेना ने पृथ्वीराज को घेर लिया। पृथ्वीराज के सेनापति मोटामल ने उन्हें और संयोगिता को दिल्ली के लिए रवाना कर दिया था। भीषण युद्ध में मोटामल शहीद हो गए थे। मोटामल की मौत से दुखी पृथ्वीराज ने मोटामल की स्मृति में करहल में मंदिर बनवाया था। तब करहल का नाम करील था।

### अखिलेश यादव का वादा, सत्ता में आने पर राज्य कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करेंगे

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य कर्मचारियों की बंद हो चुकी पुरानी पेंशन को बहाल करने और यश भारती पुरस्कार को दोबारा शुरू करने का वादा किया। अपने छोटे भाई प्रतीक की पत्नी अपर्णा यादव के बाद एक अन्य रिश्तेदार के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा, भाजपा कम से कम हमारे परिवारवाद को तो खत्म कर रही है, इसके लिए उसे धन्यवाद। यादव ने बृहस्पतिवार को एक पत्रकार वार्ता में कहा, समाजवादी पार्टी ने फैसला लिया है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार बनने पर पुरानी पेंशन व्यवस्था की बहाली होगी। इस बात को समाजवादी पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सपा व सहयोगियों की सरकार आने पर 'यशभारती सम्मान' दोबारा बहाल किया जाएगा। सपा नेता ने कहा कि नगरों में 'नगर-भारती' सम्मान-पत्र उत्कृष्ट समाजसेवियों, साहित्यकारों, पत्रकारों, कलाकारों, खिलाड़ियों व नौकरी-रोजगार सृजित करनेवाले उद्यमियों तथा पेशेवर लोगों को दिये जाएंगे। ज्ञातव्य है कि सरकारी सेवा में नियुक्त शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारियों को सेवानिवृत्ति होने पर जीवनयापन के लिए मासिक पेंशन दी जाती थी। केंद्र की तत्कालीन भारतीय जनता पार्टी सरकार ने नियमावली बनायी थी, जिसके आधार पर अप्रैल 2005 के बाद नियुक्त शिक्षक और कर्मचारियों की मासिक पेंशन की योजना समाप्त की गयी। अखिलेश ने कहा कि कर्मचारी नेताओं और वित्तीय जानकारी रखने वालों के साथ विचार-विमर्श के बाद समाजवादी पार्टी ने अपने चुनावी घोषणापत्र में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, मैं आज घोषणा करता हूं कि समाजवादी सरकार बनते ही पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी। इसमें जो भी धनराशि की आवश्यकता होगी उसकी व्यवस्था कर ली जाएगी। इसके अलावा कर्मचारियों के लिए कैशलेस इलाज की भी व्यवस्था की जाएगी। साथ ही वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानजनक धनराशि प्रदान की जाएगी। इस बीच, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने को बताया कि प्रदेश में वर्तमान में (2005 के बाद) करीब 10 लाख शिक्षक और कर्मचारी कार्यरत हैं जिनको पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। संविदा कर्मचारियों के सवाल पर अखिलेश ने कहा, आउटसोर्स के जरिए बाबा भीमराव आंबेडकर द्वारा संविधान के तहत दिया जा रहा हक और सम्मान छीना जा रहा है। इस पर समाजवादी पार्टी विचार कर रही है और किस तरीके से फैसला लेगी उसकी घोषणा समाजवादी पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि निजीकरण के रास्ते संविधान द्वारा दिए गए आरक्षण को समाप्त किया जा रहा है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया, भारतीय जनता पार्टी और वे लोग, जो हमारे गरीबों-वंचितों को आरक्षण नहीं देना चाहते, वह यह व्यवस्था लागू कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी हर चीज बेच रही है और यह अगर सरकार में रहे तो एक दिन यह सरकार को ही आउटसोर्स कर देंगे। बुधवार को अपर्णा यादव तथा बृहस्पतिवार को प्रमोद गुप्ता के भाजपा में शामिल होने और परिवारवाद के सवाल पर यादव ने कटाक्ष भरे लहजे में कहा, भारतीय जनता पार्टी जो हम पर परिवारवाद का आरोप लगाती है। वो कम से कम हमारे परिवारवाद को तो खत्म कर रही है, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। बृहस्पतिवार को विधूना के समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक प्रमोद गुप्ता भाजपा में शामिल हुए हैं। प्रमोद मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के रिश्तेदार बताये जाते हैं। अखिलेश ने कहा कि जिस तरह से व्यापक जनाधार वाले नेता भाजपा से अलग हो गए हैं और स्वामी प्रसाद मौर्य और दारा सिंह चौहान जैसे नेता सपा में शामिल हुए हैं तथा जिस तरह से सपा ने विभिन्न दलों को एक साथ लाया है, भाजपा यह लड़ाई हार गई है और सपा बहुत आगे निकल गयी है।

# कांग्रेस का 'युवा घोषणापत्र': 20 लाख रोजगार देने और 'नया उत्तर प्रदेश' बनाने का वादा

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)**

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को युवाओं के लिए घोषणापत्र जारी किया जिसमें 20 लाख रोजगार देने, भर्ती प्रक्रिया को दुरूस्त करने और शिक्षा का बजट बढ़ाने समेत कई वादे किए गए हैं। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'भर्ती विधानः युवा घोषणापत्र' जारी करने के साथ ही यह भी कहा कि युवाओं के जोश और शक्ति के साथ 'नया उत्तर प्रदेश' बनाना है। कांग्रेस ने इस मौके पर 'मेरा जॉब मुझे मिलेगा...' नामक गीत भी जारी किया। राहुल गांधी ने कहा, 'यह घोषणापत्र सिर्फ कांग्रेस की आवाज नहीं है। इसे बनाने के लिए उप्र के युवाओं से बात की है। उनके विचार इसमें डाले गए हैं।'

उन्होंने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं को एक दृष्टिकोण की जरूरत है और यह दृष्टिकोण उन्हें सिर्फ कांग्रेस पार्टी दे सकती है। राहुल गांधी ने कहा, 'हम नफरत नहीं फैलाते हैं। हम लोगों को जोड़ने का काम करते हैं। हम युवाओं के जोश और शक्ति के साथ एक नया उत्तर प्रदेश बनाना चाहते हैं।' कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने कहा, 'भर्ती विधान को बनाने के लिए युवाओं से बात की गई। इसे भर्ती विधान इसलिए कहा गया है क्योंकि उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या भर्ती की है। युवा योग्य हैं, लेकिन उन्हें नौकरियां नहीं मिलती। बड़ी बड़ी घोषणएं होती हैं, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि रोजगार कैसे दिए जाएंगे।' उन्होंने कहा कि भर्ती की प्रक्रिया को दुरुस्त किया जाएगा, आरक्षण संबंधी 'घोटाले' को रोकने का कड़ा प्रावधान होगा और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ के चुनावों को बहाल किया जाएगा। प्रियंका गांधी ने घोषणा की कि सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश में 20 लाख रोजगार दिए जाएंगे जिनमें 40 प्रतिशत यानी आठ लाख रोजगार महिलाओं को दिए जाएंगे। उनके मुताबिक, 12 लाख नौकरियां सरकार में है जो खाली है और इनके लिए सरकार के पास पैसा भी है तथा आठ लाख रोजगार युवाओं के हुनर एवं उद्यमिता पर आधारित होंगे जिनके लिए सरकार सहयोग देगी।

उन्होंने कहा, 'पुलिस सेवा, संस्कृत के शिक्षक, उर्दू के शिक्षक, आंगनबाड़ी, आशा आदि में खाली सभी पदों को भरा जाएगा। भर्ती प्रक्रिया में नौजवानों का जो भरोसा टूटा है, उसे बहाल करने के लिए सभी परीक्षाओं के फॉर्म के लिए शुल्क माफ होंगे और बस, ट्रेन यात्रा मुफ्त होगी।' प्रियंका गांधी ने 'युवा घोषणापत्र' किए वादों का का उल्लेख करते हुए कहा, 'एक परीक्षा कैलेंडर जारी होगा, जिसमें भर्ती विज्ञापन, परीक्षा, नियुक्ति की तारीखें दर्ज होंगी और इसका उल्लंघन होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरक्षण के घोटाले को रोकने के लिए हर भर्ती के लिए सामाजिक न्याय पर्यवेक्षक होंगे।' उन्होंने घोषणा की, 'उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा का बजट कम किया है। हमारी सरकार आएगी तो यह बजट बढ़ाया जाएगा और सभी कॉलेज व विश्वविद्यालयों को उन्नत किया जाएगा। अच्छी शिक्षा भविष्य निर्माण के लिए सबसे जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'युवाओं के रोजगार के लिए नये अवसर प्रदान किये जाएंगे। मल्लाहों और निषादों के लिए विश्वस्तरीय संस्थान बनाया जाएगा जिसमें उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। अति पिछड़े समुदाय के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए एक फीसदी ब्याज की दर से कर्ज दिया जाएगा।' कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा, 'प्रदेश के युवाओं को नशे के जाल से निकालने के लिए एक सेंटर खोला जाएगा जो युवाओं की काउंसिलिंग करेगा। इसके अलावा सांस्कृतिक क्षेत्र




में युवाओं को बढ़ावा दिया जाए। हम आपके भविष्य की ठोस बात करना चाहते हैं।'

उन्होंने भाजपा और समाजवादी पार्टी का नाम लिए बगैर कहा, 'आज चुनाव में जाति पर आधारित और सांप्रदायिक प्रचार किया जा रहा है। हम चाहते हैं कि सकारात्मक बातें हों और युवाओं के भविष्य की बातें हों ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके।' प्रियंका गांधी ने कहा, 'मैं बार बार कह रही हूं कि हमारी विचारधारा अलग है। हम प्रगति और जनता की भलाई के लिए काम करेंगे। हम ध्रुवीकरण की राजनीति में शामिल नहीं हैं।' उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव सात चरणों में होगा। पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को और सातवें एवं अंतिम चरण का मतदान सात मार्च को होगा। 10 मार्च को नतीजे घोषित होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# प्रियंका चोपड़ा ने बताया मंगलसूत्र का महत्व

**बॉलीवुड** एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अक्सर मंगलसूत्र पहने नजर आ जाती हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अमेरिकन सिंगर निक जोनस से शादी करने के बाद जब पहली बार मंगलसूत्र पहना तो उन्हें कैसा महसूस हुआ। प्रियंका चोपड़ा ने एक जूलरी ब्रांड के ब्रांड एंडोर्समेंट का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर करते हुए बताया, 'मुझे याद है कि मैंने जब अपना वाला (मंगलसूत्र) पहना तो मुझे कैसा लगा था। ऐसा इसलिए क्योंकि हम इसके मायने समझते हुए ही बड़े हुए हैं।' प्रियंका चोपड़ा ने कहा, 'मेरे लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण पल था। लेकिन उसी वक्त एक मॉर्डन वुमेन के तौर पर इसके प्रभावों को भी समझ रही थी। क्या मुझे मंगलसूत्र पहनना पसंद है या फिर ये भी एक पितृसत्तात्मक चीज है जो हमें मिली है? लेकिन साथ ही मैं वो पीढ़ी भी हूं जो कहीं न कहीं बीच में है। जिसे परंपराएं फॉलो करना पसंद है लेकिन ये भी जानती है कि हम क्या हैं?' प्रियंका ने कहा, 'हम जानते हैं कि हम कहां खड़े हैं। हम देखेंगे कि हमारी अगली पीढ़ी की लड़कियां कुछ अलग ही करती दिखाई पड़ेंगी।' प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि किस तरह वह अपनी पिछली परंपराओं को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'ये जाहिर तौर पर बातचीत को आगे बढ़ाने का जरिया है। अपनी परंपरा को आगे बढ़ाइए, ये समझते हुए कि आप कौन हैं और किसका प्रतिनिधित्व करते हैं।'

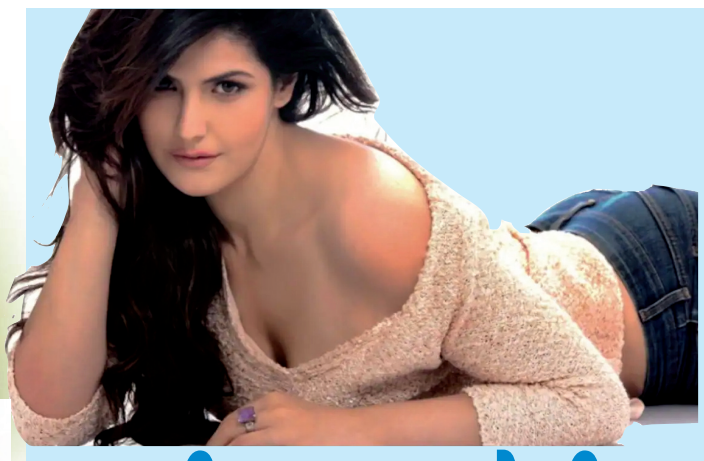

## जरीन खान बोलीं- नहीं बनना चाहती सलमान खान पर बोझ, वह मेरे अच्छे दोस्त

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान ने सलमान खान के साथ फिल्म %वीर% से डेब्यू किया था। जरीन खान को फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए एक दशक हो गया है लेकिन वह आज भी संघर्ष कर रही हैं। उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में कुछ खास मुकाम हासिल नहीं हुआ है। जरीन खान ने कहा, मैं सलमान खान की शुक्रगुजार हूं। मुझे कभी भी इंडस्ट्री में एंट्री नहीं मिलती यदि वह मेरे साथ नहीं होते। सलमान की वजह से मैं इंडस्ट्री का हिस्सा बन सकी। मेरा असली स्ट्रगल इंडस्ट्री में आने के बाद शुरू हुआ क्योंकि उस दौरान मुझे कुछ भी यहां के बारे में नहीं पता था। उन्होंने कहा, सलमान खान बहुत ही शानदार इंसान हैं और बिजी भी रहते हैं। मैं उनके लिए बोझ नहीं बनना चाहती हूं। मैं उन्हें छोटी छोटी चीजों के लिए परेशान नहीं करना चाहती हूं। सलमान खान मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, जो बस एक फोन कॉल की दूरी पर हैं लेकिन मैं उन्हें परेशान नहीं करना चाहती हूं। ऐसा करने से मेरे संघर्ष और कड़ी मेहनत कमजोर होगी। जरीन खान ने कहा, मैं अच्छा काम करना चाहती थी लेकिन मुझे मेरे एक्टिंग टैलेंट को दिखाने नहीं दिया गया। मेरे बारे में लोगों ने धारणाएं बना रखी थीं, इसी आधार पर मुझे जज किया जा रहा था। लोगों को लगता था कि मेरा बस सुंदर चेहरा है। एक इंटरव्यू के दौरान जरीन खान ने खुलासा किया था कि उन्होंने कभी मॉडलिंग या फिल्मों के बारे में नहीं सोचा था। वह डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन परिवार की स्थिति को देख वे डॉक्टर न बन सकीं और कॉल सेंटर में काम करने लगीं। फिल्मों में आने के बाद जरीन ने खूब पसीना बहाया और खुद का वजन कम किया। एक्ट्रेस ने अपनी डेब्यू फिल्म के लिए 30 किलो वजन कम किया था।

## कटरीना-विकी के बाद करण जौहर ने मिलवाया परिणीति चोपड़ा का मैच

**कटरीना कैफ** और विकी कौशल के रिश्ते की शुरुआत करण जौहर के चैट शो पर हुई थी, यह बात सभी को पता है। करण को फिल्म इंडस्ट्री का मैचमेकर माना जाता है। उन्होंने कलर्स के शो हुनरबाज में खुद को कपल्स के लिए लकी बताया। जब परिणीति ने उनसे कहा कि अब तक उनका मैच नहीं मिलाया तो करण ने कहा कि इस साल उनकी शादी भी हो जाएगी। वैसे करण पहले भी मजाक में कई सिलेब्स के रिश्तों की पोल खोल चुके हैं। उनके टीवी पर परिणीति के लिए ऐसा कहने पर फैन्स कयास लगा रहे हैं कि क्या वह मजाक-मजाक में सच बता गए हैं? टीवी शो हुनरबाज के प्रोमो में इस बार परिणीति चोपड़ा के लिए दूल्हे की तलाश की जा रही है। जब करण ने खुद को कपल्स के लिए लकी बताया तो परिणीति बोलीं अब तक उनका पार्टनर नहीं क्यों नहीं खोजा। इस पर करण वादा करते हैं, तुम्हारा भी इसी साल हो जाएगा, पक्का।

## सूरज बड़जात्या के साथ काम कर रोमांचित हैं परिणीति चोपड़ा

**बॉलीवुड** एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा संदीप रेड्डी वांगा की 'एनिमल' में रणबीर कपूर के अपोजिट और सूरज बड़जात्या की 'ऊंचाई' में अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगी। परिणीति ने कहा, मैं एक ही साल में संदीप रेड्डी वांगा और सूरज बड़जात्या सर के साथ काम कर रही हूं, जो मेरे लिए अविश्वसनीय है। सूरज सर के साथ काम करना मेरे जैसे किसी भी एक्टर के लिए हमेशा एक सपना होता है। वह फैमिली एंटरटेनर के मास्टर हैं। जब मैंने अपने पैरेंट्स को बताया कि सूरज सर ने मुझे 'उंचाई' में कास्ट किया तो वे रोमांचित थे। परिणीति चोपड़ा ने कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि सूरज सर ने, जिन्होंने भारतीय सिनेमा में बेस्ट लोगों के साथ काम करते हुए मील का पत्थर हासिल किया है, मुझे अपनी सिनेमैटिक विजन का हिस्सा बनाने के लिए चुना है। उन्होंने कहा, सूरज सर मेरी कल्पना से भी बेहतर इंसान हैं। वह विनम्रता के मास्टर क्लास हैं। उनके निर्देशन में काम करने पर मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। उनकी हीरोइन होना एक दूसरा आशीर्वाद है, जो 2021 में मुझे मिला है।

## क्या सलमान खान करने वाले हैं बड़ा धमाका? भाईजान की पोस्ट देख कंफ्यूज हुए फैंस

**बॉलीवुड** सुपरस्टार सलमान खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह फैंस के साथ अक्सर तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं। हाल ही में सलमान खान ने अपनी एक तस्वीर शेयर की है, लेकिन इसके साथ उन्होंने जो कैप्शन लिखा है उसने फैंस को कंफ्यूज कर दिया है। तस्वीर में सलमान खान ने सिर पर गमछा बांधे दिख रहे हैं। भाईजान बिल्कुल देसी अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ सलमान ने कैप्शन में कुछ ऐसा लिखा जिसे पढ़ने के बाद फैंस कई तरह के कयास लगा रहे हैं। सलमान खान ने लिखा, मैं विज्ञापन और ट्रेलर वगैरह पोस्ट करता हूं.. अपने ही ब्रांड है ना समझे क्या? सब सुन रहा हूं, मैं आपको देख रहा हूं, मैं आपको सुन रहा हूं। आज एक पोस्ट कल एक टीजर। सलमान खान की इस पोस्ट को पढ़कर फैंस को समझ ही नहीं आ रहा कि आखिर सलमान खान कहना क्या चाहते हैं। कुछ फैंस ने अंदाजा लगाया कि शायद वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'टाइगर 3' के टीजर की बात कर रहे हैं। वहीं कुछ को लग रहा है? कि भाईजान किसी नए विज्ञापन की बात कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान आखिरी बार फिल्म 'अंतिम द फाइनल ट्रूथ' में अपने जीजा आयुष शर्मा संग नजर आए थे। वह इन दिनों फिल्म 'टाइगर 3' की शूटिंग में बिजी हैं। इसके अलावा सलमान खान कभी ईद कभी दीवाली, नो एंट्री 2 और बजरंगी भाईजान के सीक्वल में दिखेंगे।

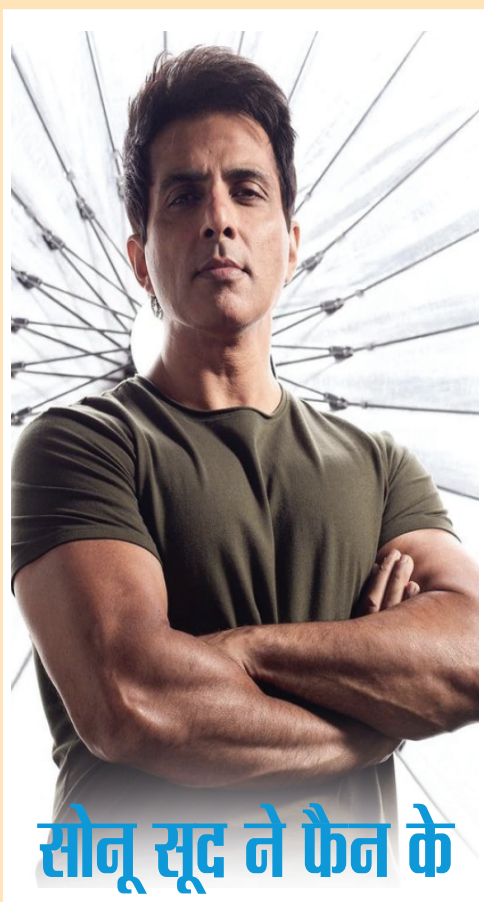

## सोनू सूद ने फैन के घर पर लगवाया बिजली का मीटर

**लॉकडाउन** के दौरान रियल लाइफ मसीहा के नाम से मशहूर हुए एक्टर सोनू सूद ने तब से लेकर अभी तक लोगों की मदद करने का सिलसिला जारी रखा हुआ है। काम के अलावा जब भी, जैसे भी संभव हो पाता है सोनू सूद लोगों की मदद करते रहते हैं। सोशल मीडिया के जरिए संपर्क करके लोग उनसे मदद मांगते रहते हैं और एक्टर उनकी मदद भी करते हैं। हाल ही में सोनू सूद को ट्विटर पर एक अजीब सी डिमांड आई। एक फैन ने उनसे बिजली मीटर लगावाने की डिमांड की। हालांकि सोनू सूद ने अपने इस फैन की भी मदद की और उसके घर पर बिजली का मीटर लगवा दिया। इस ट्विटर यूजर ने कहा, 'सर मेरे बिजली मीटर में डिसप्ले का प्रॉब्लम था जिसके चलते मेरा बिजली का बिल 1200 रुपये आ रहा है। मैं पिछले 2 महीने से बिजली विभाग के चक्कर काट रहा हूं लेकिन वो मेरा मीटर रिप्लेस नहीं कर रहे हैं। कृपया मदद करें।'

## जावेद अख्तर के जन्मदिन पर पहली पत्नी हनी ईरानी और दोनों बच्चों भी आए नजर

**दिग्गज** लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने 17 जनवरी को अपना 77वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर सोशल मीडिया पर उन्हें फैन्स की ओर से ढेरों बधाइयां मिलीं। शबाना आजमी ने परिवार के साथ जावेद अख्तर की एक तस्वीर साझा की है। यह एक परफेक्ट फैमिली पिक्चर है जिसमें सभी साथ में कैमरे की ओर देखते हुए पोज दे रहे हैं। तस्वीर में शबाना आजमी, फरहान अख्तर, फरहान की गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर, जोया अख्तर, तन्वी आजमी और जावेद अख्तर की पूर्व पत्नी हनी ईरानी हैं। जावेद अख्तर के साथ पहली पंक्ति में शबाना आजमी, जोया अख्तर और हनी ईरानी हैं। जबकि पीछे फरहान, शिबानी और तन्वी खड़े हैं। तस्वीर को साझा करते हुए शबाना आजमी ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे जादू।' कमेंट सेक्शन में दिव्या दत्ता, सबा पटौदी, टिस्का चोपड़ा, शिबानी दांडेकर, एकता कपूर और शिल्पा शिरोडकर ने जन्मदिन की बधाई दी।

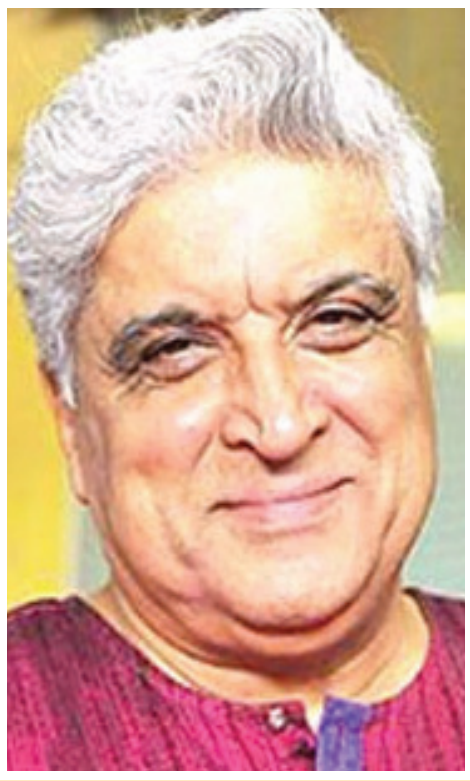

## सार समाचार

## पाकिस्तान में कोरोना का कहर, एक दिन में कोविड-19 के सबसे अधिक 7,678 नए मामले आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद से लेकर अबतक एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक 7,678 नए मामले शुक्रवार को आए, जो महामारी की पांचवी लहर का सामना कर रहे देश के लिए चिंताजनक स्थिति का संकेत हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के मंत्रालय ने बताया कि इस अवधि में 23 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई है जिन्हें मिलाकर पाकिस्तान में कोविड-19 से अबतक 29,065 लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि देश में अबतक 13,53,479 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है। आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले 13 जून 2020 को एक दिन में सबसे अधिके 6,825 नए मामले आए थे। पाकिस्तान में फरवरी 2020 को कोरोना वायरस से संक्रमण के पहले मामले की पुष्टि हुई थी। मंत्रालय ने बताया कि देश में कोविड-19 संक्रमण दर बढ़कर 12 .93 प्रतिशत तक पहुंच गई है। आंकड़ों के मुताबिक अबतक 12,65,665 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं जबकि 961 मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। मंत्रालय ने बताया कि देश कोरोना वायरस महामारी की पांचवी लहर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया कि अबतक 10,29,75,552 लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है जबकि 7,88,60,543 का टीकाकरण पूरा हो चुका है।

## लाइबेरिया में मची भगदड़ में 29 लोगों की मौत, चर्च में प्रार्थना करने जुटी थी भीड़

लाइबेरिया की राजधानी मोनरोविया में एक चर्च सभा में भगदड़ मचने से रात भर 29 लोगों की मौत हो गयी और कई लोग घायल हो गये। इस घटना की सूचना उप सूचना मंत्री ने गुरुवार को राज्य रेडियो के माध्यम से दी। उप सूचना मंत्री जलावा टोनपो ने कहा कि यह घटना राजधानी के बाहरी इलाके न्यू क्रू टाउन में पूरी रात ईसाई पूजा कार्यक्रम के दौरान हुई। यहां पर लोग पूजा करने के लिए इकट्ठा हुए थे।

**देश के लिए एक दुखद दिन**

डॉक्टरों ने कहा कि 29 लोगों की मौत हो गई और कुछ गंभीर हालत में हैं। इसके अलावा टोनपो ने पास के एक अस्पताल से राज्य रेडियो में कॉल करते हुए कहा, यह देश के लिए एक दुखद दिन है।'

इस कार्यक्रम में शामिल हुए एक निवासी एक्सोडस मोरियास ने रॉयटर्स को बताया कि भगदड़ तब शुरू हुई जब हथियारबंद लोगों के एक समूह ने भीड़ को लूटने की कोशिश में दौड़ा लिया। मोरियास ने कहा, हमने लोगों के एक समूह को कटलेस और अन्य हथियारों के साथ भीड़ की ओर आते देखा। दौड़ते समय कुछ लोग गिरे और कुछ जमीन पर गिर पड़े और उनके ऊपर अन्य लोग चल पड़े। जोगोस के नाम से जाने जाने वाले लाइबेरियन स्ट्रीट गैंग के बैंड आमतौर पर माचे और अन्य छोटे हथियारों के साथ डकैती करते हैं। पुलिस प्रवक्ता मूसा कार्टर ने घटना के कारणों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि जांच की जा रही है।

## जॉर्ज फ्लॉयड केस: सुनवाई में निर्णायक मंडल के ज्यादातर सदस्य श्वेत

-पुलिस पर फ्लॉयड को उनके नागरिक अधिकारों से वंचित करने का आरोप है

सेंट पॉल। अमेरिकी-अफ्रीकी जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या से संबधित केस की संघीय अदालत में सुनवाई के लिये 18 सदस्यीय निर्णायक मंडल चयन किया गया, जिनमें अधिकतर सदस्य श्वेत दिखाई दिये। एक जज ने निर्णायक मंडल के सदस्यों को बताया कि इस केस से नस्ल का कोई लेना-देना नहीं है। इन निर्णायकों का चयन पुलिस अधिकारियों टोउ थाओ, थॉमस लेन और जे क्वेंग से संबंधित मामले की सुनवाई के संबंध में किया गया है। पुलिस अधिकारियों टोउ थाओ, थॉमस लेन और जे क्वेंग के खिलाफ चल रहे मामले की सुनवाई के लिये चुने गए इन निर्णायकों के दो समूह बनाए गए हैं। पहले समूह में 12 निर्णायकों को रखा गया है, जिनमें से एक एशियाई मूल का है जबकि शेष श्वेत प्रतीत होते हैं। दूसरे समूह में छह निर्णायक हैं, जिनमें से एशियाई मूल के एक निर्णायक को छोड़कर शेष पांच श्वेत हैं। अदालत ने इनकी जनसांख्यिकीय जानकारी प्रदान करने से इनकार कर दिया। पुलिस अधिकारियों पर फ्लॉयड को उनके नागरिक अधिकारों से वंचित करने का आरोप है। इस मामले में एक और आरोपी पुलिस अधिकारी डेरेक शॉविन है, जिसने 25 फरवरी 2020 को फ्लॉयड को गिरफ्तार करते समय एक सड़क पर पटककर उनकी गर्दन पर अपना घुटना रख दिया था, जिसके बाद फ्लॉयड की मौत हो गई थी।

## भारतीय बच्चे के अगवा होने पर चीनी विदेश मंत्रालय का बयान, घटना की कोई जानकारी नहीं

बीजिंग । चीन ने अरुणाचल प्रदेश से 17 साल के भारतीय बच्चे के अगवा होने पर पहली प्रतिक्रिया दी है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा है, कि उन्हें घटना की कोई जानकारी नहीं है।पहले रिपोर्ट्स आई थी, कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले से 17 वर्षीय एक किशोर का कथित तौर पर अपहरण कर लिया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पीएलए सीमाओं की रखवाली करती है और अवैध प्रवेश या निकास की गतिविधियों पर नकेल कसती है। उधर भारतीय सेना ने भी बच्चे की तलाश के लिए चीनी सेना से संपर्क कर इलाके में खोजबीन को तेज कर दिया है।

अरुणाचल प्रदेश से बीजेपी सांसद तापिर गाओ ने कहा था कि पीएलए ने राज्य में भारतीय क्षेत्र के अपर सियांग जिले से 17 वर्षीय किशोर का अपहरण कर लिया है। गाओ ने कहा था कि अपहृत किशोर की पहचान मिराम तरोन के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि चीनी सेना ने सियुंगला क्षेत्र के लुंगता जोर इलाके से किशोर का अपहरण किया। उन्होंने बताया था कि पीएलए से बचकर भागने में कामयाब रहे तरोन के मित्र जॉनी यइयिंग ने स्थानीय अधिकारियों को अपहरण के बारे में जानकारी दी। पीएलए द्वारा तरोन के अपहरण के आरोप पर उनकी प्रतिक्रिया पूछने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मुझे स्थिति की जानकारी नहीं है।चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी कानून के अनुसार सीमाओं को नियंत्रित करती है और अवैध प्रवेश और निकास गतिविधियों पर नकेल कसती है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया तब आई जब भारतीय सेना ने पीएलए से लापता किशोर का पता लगाने और स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार उसे वापस करने के लिए सहायता मांगी। रक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में यह जानकारी दी।

## रूसी सेना ने यूक्रेन की सीमा पार की तब उस भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अगर रूसी सेना यूक्रेन की सीमा पार करती हैं, तब उस ह्यहमला मानकर रूस को इसकी ह्यभारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कुछ लोगों पर नए प्रतिबंध लगा दिए थे, जिन पर आरोप है कि वे यूक्रेन पर हमला करने में रूस की मदद कर रहे हैं। इस बीच रूस ने अपने 1 लाख से ज?यादा सैनिक और मिसाइलें यूक्रेन की सीमा पर तैनात की हैं।

कोलंबियाई अदालत के आठ जज गर्भपात को पीनल कोड से हटाने को लेकर अलग रुख अपनाते हुए।

## इजरायल के अटॉर्नी जनरल ने एनएसओ स्पाइवेयर मामले की जांच का आदेश दिया

यरूशलम। इजरायल के अटॉर्नी जनरल ने कहा है कि वह इजरायली पुलिस द्वारा कथित रूप से बिना अनुमति के फोन निगरानी तकनीक का इस्तेमाल किये जाने के मामले की जांच शुरू कर रहे हैं। उन्होंने यह बात अनुचित तरीके से लोगों को निशाना बनाकर उनके फोन की निगरानी किये जाने संबंधी खबरें सामने आने के बाद कही है। अटॉर्नी जनरल एविके में डेलब्लिट ने बृहस्पतिवार को चार पृष्ठ के पत्र में कहा कि उन्हें अब तक इजरायल के कारोबार संबंधी समाचार पत्र कैलकेलिस्ट में किये गए दावों की पुष्टि करने वाला कोई सबूत नहीं मिला।

खबर में दावा किया गया है कि पुलिस ने तत्कालीन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू के खिलाफ एक आंदोलन में शामिल नेताओं, मेयरों और अन्य नागरिकों की बिना अनुमति के निगरानी की थी। हालांकि मेंडेलब्लिट ने कहा कि कई प्रश्नों के जवाब नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह एक शीर्ष अधिकारी के नेतृत्व में जांच समिति का गठन कर रहे हैं। इस सप्ताह कैलकेलिस्ट की एक खबर में कहा गया था कि पुलिस ने नेतान्याहू के कुछ राजनीतिक विरोधियों की निगरानी के लिये एनएसओ ग्रुप के पैगासस हैकिंग सॉफ्टवेयर और अन्य तकनीकोंका इस्तेमाल किया था। हालांकि पुलिस ने इस खबर को गलत बताते हुए कहा है कि वह कानून के अनुसार काम करती है।

## दिवालिया होने जा रहे श्रीलंका को भारत ने बचाया तो उच्चायुक्त ने कहा- आप हमारे अर्थव्यवस्था की चाबी हो

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

चीन ऐसा देश है जो किसी पर अपना हाथ रख दे तो उसे कंगाल बना देता है। क्योंकि चीन का कर्ज और उस देश की कंगाली दिन-दूनी रात चौगुनी बढ़ती है। यकीन ना हो तो पाकिस्तान की हालत देख लीजिए। लेकिन एक और देश अब इस कड़ी में जुड़ गया है। भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका कंगाली की राह में चल पड़ा रहा है। श्रीलंका में खाद्य से लेक मानव कल्याण पर संकट खड़ा हो गया है। श्रीलंका आज कंगाली की कगार पर खड़ा है और आर्थिक व मानवीय संकट गहरा गया है। खाने-पीने की कीमत आसमान छू रही है और रिकॉर्ड स्तर पर महंगाई है। विश्व बैंक का अनुमान है कि श्रीलंका में महामारी की शुरूआत के बाद से पांच लाख लोग गरीबी रेखा से नीचे आ गए हैं। भारत श्रीलंका को डिफॉल्टर होने से बचाने के लिए आर्थिक मदद कर रहा है।

**नई अर्थव्यवस्था की चाबी है भारत**

भारत में श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंडा मोरागोडा ने कहा है कि श्रीलंका की डूबती अर्थव्यवस्था को बचाने में भारत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। उन्होंने कहा कि श्रीलंका अपनी अर्थव्यवस्था को उबारने की कोशिश में लगा हुआ है और भारत बड़ी मदद कर रहा है। अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जरूरी सेक्टर्स जैसे बिजली को लेकर भारत के साथ हमेशा से सहयोग रहा है। एक बार हम इन पर काम करना शुरू कर देंगे तो बाकी चिंताओं की कोई जगह नहीं रह जाएगी। उन्होंने आगे कहा, 'बड़ी बात ये है कि हमारी नई अर्थव्यवस्था की चाबी भारत है।

**भारत का लंबे समय से सहयोग रहा**

श्रीलंका के वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे ने भारत से 2.4 अरब डॉलर के मदद की पुष्टि की है। बासिल राजपक्षे की भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात हुई। पिछले महीने राजपक्षे भारत दौरे पर आए थे और इसी दौरान ये बातचीत हुई थी। राजपक्षे ने कहा कि भारत का श्रीलंका से लंबे समय से सहयोग रहा है। बासिल ने भारत से इस मदद के लिए आभार जताया है।

## कोविड महामारी जल्द खत्म नहीं होने वाली, सावधानी बरते : डब्ल्यूएचओ

**जिनेवा (एजेंसी)**

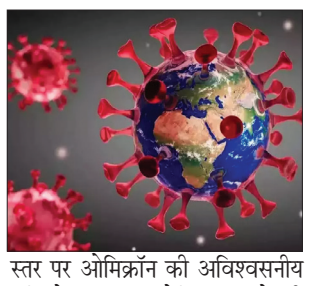

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक ट्रेडोस एडनॉम घेब्रेयसस ने विश्व नेताओं को चेतावनी जारी कर कहा है कि कोरोना माहमारी कहीं खत्म नहीं हुई है।डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने धारणा के खिलाफ आगाह किया कि नया प्रमुख ओमिक्रॉन वेरिएंट काफी हल्का है, इसने वायरस से उत्पन्न खतरे को समाप्त कर दिया है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी तब दी है, जब कुछ यूरोपीय देशों ने रिकॉर्ड नए मामले सामने आ रहे हैं। जिनेवा में डब्ल्यूएचओ मुख्यालय में कहा कि ओमिक्रॉन वेरिएंट के पिछले एक सप्ताह में दुनिया भर में 18 मिलियन नए संक्रमण सामने हैं।

उन्होंने कहा कि यह भ्रामक है, कि यह एक हल्की बीमारी है। उन्होंने कहा, ₹कोई गलती न करें, ओमिक्रान अस्पताल में भर्ती होने और मौतों का कारण बन रहा है।₹ उन्होंने वैश्विक नेताओं को चेतावनी दी कि 'विश्व स्तर पर ओमिक्रॉन की अविश्वसनीय वृद्धि के साथ, नए वेरिएंट उभरने की संभावना है, यही वजह है कि ट्रैकिंग और मूल्यांकन महत्वपूर्ण हैं।उन्होंने कहा,मैं कई देशों के बारे में विशेष रूप से चिंतित हूं, जहां टीकाकरण की दर कम है, क्योंकि लोगों को गंभीर बीमारी और मृत्यु का खतरा कई गुना अधिक होता है, यदि वे टीकाकरण नहीं करवाते हैं।₹ डब्ल्यूएचओ के आपात निदेशक, माइक रयान ने भी चेतावनी दी है कि ऑमिक्रोन की बढ़ी हुई संचरण क्षमता से अस्पताल में भर्ती होने और मौतों में वृद्धि होने की संभावना है, खासकर उन देशों में जहां कम लोगों को टीका लगाया जाता है।

## चीन ने गहरी आर्थिक मंदी को दूर करने के प्रयास तेज किए, एक महीने में दूसरी बार कर्ज दर में कटौती की

**बीजिंग (एजेंसी)**

चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन आर्थिक मंदी की चिंताओं के बीच उसने अपनी बेंचमार्क उधार दरों में फिर से कटौती की। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने एक साल के लोन प्राइम रेट को 10 बेसिस पॉइंट्स 3.8 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया है। दिसंबर में पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अप्रैल 2020 के बाद पहली बार एक साल के लोन प्राइम रेट में कटौती की थी। पांच साल की ऋण प्रधान दर को 5 आधार अंक घटाकर 4.6% कर दिया।

देश में कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बाद अप्रैल 2020 के बाद यह पहली कटौती थी। लोन प्राइम रेट (एलपीआर) देश में कॉर्पोरेट और घरेलू ऋणों के लिए उधार दरों को प्रभावित करते हैं। चीन में अधिकांश नए और बकाया ऋण एक साल के एलपीआर पर आधारित हैं, लेकिन रॉयटर्स के मुताबिक पांच साल की दर घरेलू बंधक के मूल्य निर्धारण को प्रभावित करती है। रॉयटर्स के एक स्नैप पोल ने दिखाया था कि अधिकांश प्रतिभागियों को उम्मीद थी कि चीन गुरुवार को दोनों उधार दरों में कमी करेगा। कैपिटल इकोनॉमिक्स के अनुसार, दरों में कटौती ने उधार लेने की लागत को कम करने के लिए पीबीओसी के प्रयासों को जारी रखा है। दरों में कटौती करने का चीन के केंद्रीय बैंक का निर्णय चीन द्वारा मौद्रिक नीति को ढीला करने के लिए उठाए गए कदमों की एक श्रृंखला में नवीनतम है, क्योंकि अधिकारी रियल एस्टेट बाजार में गहरी मंदी और धीमे आर्थिक विकास से जूझ रहे हैं। साल 2021 के लिए 6 फीसदी की वृद्धि दर का लक्ष्य रखा था, हालांकि इस दौरान चीन ने 8.1 फीसदी की दर बढ़ोतरी हासिल की है।

## तालिबान लड़ाके देखते होंगे मेरी फिल्में, अफगानिस्तान की एकमात्र पॉर्न स्टार ने खोले बड़े राज

**काबुल (एजेंसी)**

यासमीना अली यह नाम अगर आप गूगल पर सर्च करेंगे तो आपको पता चल जाएगा की यह एकमात्र अफगानिस्तान की पॉर्न स्टार है जिसे तालिबानियों से कोई खौफ और डर नहीं है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यासमीना का मानना है कि, तालिबानियों को उनके काम के बारे में पूरी खबरो होगी कि वह क्या करती है और कहां रहती है। इसके साथ ही तालिबान के कट्टर लड़ाके यासमीना की फिल्में भी देखते होंगे। जानकारी के लिए बता दें कि, यासमीना बचपन में ही अफगानिस्तान से ब्रिटेन आ गई थी। तब से अभी तक यासमीना ब्रिटेन में ही रहती है। लेकिन यासमीना ने अपने मुल्क की क्रूरता को कभी नहीं भुलाया है। साल 1990 में जब तालिबान ने काबुल पर विजय हासिल की तो यासमीना ने अपनी आखों से अपने मुल्की की महिलाओं के साथ क्रूरता होते देखा है।

**अफगानिस्तान की एकमात्र पोर्न स्टार**

डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यासमीना अली अफगानिस्तान की एकमात्र पॉर्न स्टार है और उन्होंने एडल्ट इंडस्ट्री में कदम रखते ही अपना मजहब छोड़ दिया था और नास्तिक बन गई थी। तालिबान यासमीना को पॉर्न हब और ओनलीफैन्स जैसी वेबसाइटों से बहुत आसानी से नजर रख सकता है। आई हेट पोर्न' पॉडकास्ट पर बोलते हुए यासमीना ने बताया कि, तालिबान नहीं चाहता कि उसका देश एक पॉर्न के लिए जाना जाए। तालिबान के मुताबिक, महिलाओं के जिस्म पर केवल उनका अधिकार है और अगर यासमीना अपनी जिस्म दिखाती है वह सच्ची अफगानी नहीं है। पॉर्न स्टार का कहना है कि, उन्हें हर दिन ऐसे मैसेज मिलते है जिसमें उन्हें अंडरकवर कहा जाता है। यासमीना ने कहा कि, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता की तालिबान उनके बारे में क्या सोचता है। वह एक अफगान की लड़की है और वहीं उनकी पहचान है। पॉर्न स्टार ने कहा कि, शायद तालिबानी मेरे फिल्में भी देखते होंगे और यासमीना को यकीन है कि, सभी तालिबानी अच्छे से उन्हें पहचानते होंगे। आप बस गूगल पर अफगान पोर्न लिखे और मेरा नाम सामने आ जाएगा।

**तालिबान के लिए बलात्कार शब्द कुछ नहीं**

पोर्न स्टार यासमीना ने तालिबान क्रूरता के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि तालिबान महिलाओं को एक वस्तु की तरह ही समझते है और उनके लिए औरतों की भावनाएं, इच्छाएं कोई मायने नहीं रखती है। अपनी मां की एक बात को याद करते हुए यासमीना ने कहा था कि, तालिबान के लिए बलात्कार शब्द कुछ भी नहीं है। वह जिसके साथ जब चाहे कुछ भी कर सकते हैं। अपने बचपन को लेकर यासमीना ने कहा कि, लोगों को धार्मिक न होने और औरतें अगर ठीक से पोशाक न पहने तो पीटा जाता था। महिलाओं के साथ पुरूष भी तालिबान के क्रूरता से नहीं बचे है। ब्रिटेनक्षित महसूस नहीं करते तो यहां पुलिस आपकी तुरंत मदद करने को आगे आती है लेकिन अफगानिस्तान में आप किससे अपनी सुरक्षा की मदद मांगेगे।

## शिक्षा मंत्री मुराद रास का फरमान, कहा- छात्राओं को स्कार्फ और छात्रों के सिर पर टोपी को किया जाए जरूरी

**वॉशिंगटन (एजेंसी)**

पाकिस्तान के पंजाब में शिक्षा मंत्री ने फरमान जारी कर कहा है कि छात्राओं के लिए स्कार्फ और छात्रों के लिए सिर पर टोपी को जरूरी कर दिया जाए। यहां के शिक्षा मंत्री मुराद रास ने यहां सभी निजी स्कूलों के लिए फरमान जारी कर कहा है कि स्कूल में छात्र-छात्राओं के यूनिफॉर्म में टोपी, दुपट्टा या स्कार्फ को जरूरी कर दिया जाए।

शिक्षा मंत्री ने जीओ टीवी लाहौर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा निजी स्कूलों में छात्रों के लिए यूनिफॉर्म की समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने इसके बाद निर्देश जारी किया कि निजी स्कूल के छात्रों को यूनिफार्म के साथ टोपी और छात्राओं को स्कार्फ या दुपट्टा दें।

पंजाब प्रक्षेत्र के शिक्षा मंत्री मुराद रास के मुताबिक कोविड-19 की वजह से स्कूलों को बंद करने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि यहां स्कूलों में अभी 30,000 से ज्यादा पद रिक्त हैं और उन्हें जल्द भरा जाना चाहिए। मुराद रास ने यह भी बताया कि सरकार ने स्कूलों में 12 साल से कम उम्र के छात्रों की संख्या 50 फीसदी तक कम करने के लिए कहा है।

विश्वविद्यालय में लागू हुआ था ड्रेस कोड

पिछले वर्ष दिसंबर महीने में पंजाब की एक यूनिवर्सिटी ने अपने छात्रों के लिए ड्रेस कोड लागू किया था। विश्वविद्यालय की नोटिफिकेशन में कहा गया था कि लड़कों को शॉर्ट्स, कट ऑफ जींस, मल्टी पॉकेट, फीकी, हल्की फटी जींस और पतलून या किसी भी तरह के संदेश वाली टी-शर्ट पहनने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा लड़कियों के जींस के साथ टी-शर्ट, बिना आस्तीन की शर्ट, सी-थ्रू और स्किन टाइट लिबास पहनने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। इतना ही नहीं छात्राओं को आभूषण पहनने ओर मेकअप लगाने से भी मना किया गया था।

महिला शिक्षकों के जींस पहनने पर भी लगा प्रतिबंध

इससे पहले इस्लामाबाद में सितंबर महीने में शैक्षणिक संस्थानों की देखरेख करने वाले केंद्रीय शिक्षा निदेशालय ने महिला शिक्षकों को जींस नहीं पहनने और पुरुषों को जींस और टी-शर्ट पहनने पर पाबंदी लगाने को कहा था। इसके साथ ही एफडीई ने वहां के शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को यह निर्देश भी दिया था कि उनके शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी ड्रेस कोड और व्यक्तिगत अक्षिता का पालन करें। जिनमें नियमित रूप से बाल कटवाने, दही ट्रीमिंग और इत्र के उपयोग को शामिल किया गया था।

## पुरानी रुसी सैटेलाइट से टकराने से बची चीनी सैटेलाइट

**बीजिंग (एजेंसी)**

अंतरिक्ष में चीनी सैटेलाइट रूस के एक पुराने सैटेलाइट के मलबे से टकराने से बच गई। चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया है कि उनके वैज्ञानिकों ने टक्कर को कड़ी मशक्कत के बाद नाकाम कर दिया है। अंतरिक्ष के मलबों पर निगाह रखने वाली संस्था ने कहा कि सिंघुआ साइंस सैटेलाइट 14.5 मीटर लंबे अंतरिक्ष कचरे से बाल-बाल बची है।टक्कर से अंतरिक्ष में मौजूद दूसरी सैटेलाइटों को भी गंभीर खतरा पैदा हो सकता था। रिपोर्ट के अनुसार, सैटेलाइट का यह टुकड़ा पिछले साल नवंबर में रूस के एंटी-सैटेलाइट मिसाइल टेस्ट से पैदा हुआ था। चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि रूसी सैटेलाइट का यह टुकड़ा भविष्य में भी दूसरी सैटेलाइटों के लिए खतरा बन सकता है। रूस ने 15 नवंबर को एस-500 मिसाइल सिस्टम के द्वारा लंबे समय से निष्क्रिय सोवियत खुफिया उपग्रह को उड़ाया था। सैटेलाइट को 1982 में लांच किया गया था। रूस के एंटी-सैटेलाइट मिसाइल टेस्ट से अंतरिक्ष में करीब 1,500 टुकड़े पैदा हुए थे। ये टुकड़े अपनी कक्षा में तेजी से पृथ्वी का चक्कर लगा रहे हैं।इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने रूस की कड़ी आलोचना की थी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रूस की लापरवाही करार दिया था। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा था कि मलबे से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने शराब पर दिया अजीब बयान, दिग्विजय सिंह ने कसा तंज

भोपाल। राजधानी भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। मध्य प्रदेश सरकार नई आबकारी नीति लेकर आई है जो 1 अप्रैल 2022 से लागू होगी। बता दें कि नई नीति लागू होने के बाद प्रदेश में शराब सस्ती हो जाएगी। इस पर सांसद साध्वी प्रज्ञा ने शराब को लेकर अजीबोगरीब बयान दे दिया। उन्होंने कहा कि शराब कम मात्रा में लेने से औषधि की तरह काम करती है। जिसपर दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। दरअसल जब पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह से पूछा गया कि साध्वी प्रज्ञा कह रही है कि शराब एक औषधि की तरह काम करती है, तब उन्होंने कहा कि अगर औषधि है तो पिया करें। साध्वी प्रज्ञा सिंह के इस बयान पर अब आम जनता भी अपनी प्रतिक्रया दे रही है। एक यूजर ने कहा कि साध्वी जी का शुक्रिया, मतलब कम मात्रा में लेने से हिंदुत्व खतरे में भी नही आएगा और देशभक्ति भी बनी रहेगी। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि मोदी जी इसे फिर माफ नहीं कर पाएंगे क्योंकि ये सुनकर गुजरात वाले भी औषधि की मांग करे सकते हैं। वहीं सोशल मीडिया पर और जमीन पर कई लोग साध्वी प्रज्ञा सिंह के बयान का समर्थन भी करते नजर आए। उनका कहना है कि आयुर्वेद में पहले से ही शराब को औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। आपको बता दें कि साध्वी प्रज्ञा सिंह ने कहा है कि शराब सस्ती हो या महंगी हो, शराब औषधि का काम करती है। आयुर्वेद में शराब यानी अल्कोहल जो होता है, सीमित मात्रा में वह औषधि होती है और असीमित मात्रा में वो जहर होता है। इस बात को सबको समझना चाहिए और जो अधिक मात्रा में लेते हैं उनको इसका सेवन बंद करना चाहिए।

### आप गोली चलाओगे तो गोली सहेंगे, हम चारों जिले के गांवों में मशीनें घुसने नहीं देंगे: दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के धरने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने फिर मिलने का समय दिया है। सीएम के प्रिंसिपल सेक्रेटरी मनीष रस्तोगी से टेलीफोनिक बातचीत के बाद कांग्रेस नेता ने अपना धरना भी समाप्त कर दिया। दिग्विजय सिंह ने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि इस बार यदि अपॉइंटमेंट कैंसिल हुआ तो चार जिलों में सरकारी मशीनों को हम घुसने नहीं देंगे। दरअसल दिग्विजय सिंह ने लाउडस्पीकर पर मीडिया के सामने सीएम के प्रिंसिपल सेक्रेटरी से टेलीफोनिक बातचीत की है। दिग्विजय सिंह ने मनीष रस्तोगी से कहा कि मैं 17 दिसंबर से टाइम मांग रहा हूं। इसपर रस्तोगी कहते हैं कि सर ने 23 जनवरी को 12 बजे का समय दिया है। इस पर सिंह कहते हैं कि इसबार यदि कैंसिल हुआ तो हम उठने वाले नहीं बता दे रहे हैं। आप गोली चलाओगे तो गोली सहेंगे। मैं भी मुख्यमंत्री रहा हूं, तुमने मेरे साथ काम किया है, मैने हफ्ते भर पहले समय दिया है। जिसके बाद रस्तोगी कहते हैं कि सर भी ऐसा ही करते हैं। वहीं दिग्विजय सिंह ने रस्तोगी को कहा कि आपके सर ऐसा नहीं करते यही तो दिक्कत है। और इसीलिए तो हमलोग धरने पर बैठे हुए हैं। रस्तोगी से बातचीत के बाद दिग्विजय सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि, 'इस बार अगर हमारे साथ धोखा हुआ, किसानों के साथ धोखा हुआ तो फिर आप समझ लीजिए। अब यहां धरना नहीं होगा, हम चारों जिले के गांवों में मशीनें घुसने नहीं देंगे। आपको बता दें कि दिग्विजय सिंह टेम और सुठोलिया बांध के कारण डूब प्रभावित किसानों की समस्या लेकर मुख्यमंत्री से मिलना चाहते हैं। दिग्विजय सिंह डेढ़ महीने से सीएम से समय मांग रहे हैं। इसके बाद जब उन्होंने आंदोलन की चेतावनी दी तो मुख्यमंत्री ऑफिस ने अपॉइंटमेंट फिक्स किया।

### गणतंत्र दिवस परेड के पूर्वाभ्यास के चलते भारी वाहनों के दिल्ली में प्रवेश करने पर रहेगी रोक

नोएडा (उप्र)। दिल्ली में गणतंत्र दिवस की परेड के लिए रविवार को पूर्वाभ्यास होगा, जिसके मद्देनजर शनिवार रात 10 बजे से लेकर रविवार दोपहर एक बजे तक भारी वाहनों के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा से राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने पर रोक रहेगी। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने शुक्रवार को जारी परामर्श में यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (यातायात) गणेश पी शाहा ने बताया कि दिल्ली में राजपथ पर परेड के पूर्वाभ्यास के मद्देनजर यातायात मार्ग में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस की तरफ से जारी परामर्श के तहत शनिवार रात 10 बजे से रविवार दोपहर एक बजे तक दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा, इसी तरह 25 जनवरी की रात 10 बजे से 26 जनवरी को दोपहर एक बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश राष्ट्रीय राजधानी में वर्जित रहेगा। उन्होंने बताया कि हल्के वाहन पूर्व की भांति गंतव्य को जा सकेंगे।

### झारखंड लिंचिग मामला : भीड़ ने जब संजू को जलाया तो उसकी मौत हो चुकी थी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का दावा

सिमडेगा (झारखंड)। जिले के बेसराजरा थाना क्षेत्र में भीड़ द्वारा एक व्यक्ति की निर्ममता से पिटाई करने और फिर जलाने के मामले में मृतक के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कहा गया है कि भीड़ ने जब संजू को जलाया, उस वक्त उसकी मौत हो चुकी थी। सिमडेगा के पुलिस अधीक्षक डा. शम्स तबरेज ने बृहस्पतिवार को बताया कि भीड़ द्वारा की गई हत्या के मामले में मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गयी है। उन्होंने कहा, 'पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार भीड़ द्वारा जलाए जाने से पहले की संजू की मौत हो चुकी थी।' गौरतलब है कि संजू के परिजनों का दावा था कि भीड़ ने उसे अधमरी हालत में जला दिया था। तबरेज ने बताया मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में 32 वर्षीय संजू के शव का पोस्टमार्टम रांची की फॉरेंसिक टीम ने किया। गौरतलब है कि भीड़ द्वारा की गई हत्या के इस मामले में नामजद सभी 13 लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

### यदि कांग्रेस गोवा में भाजपा को सत्ता से नहीं हटा पाती है तो चिदंबरम को लेनी होगी जिम्मेदारी: तृणमूल

पणजी। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर कांग्रेस, अगले महीने होने वाले गोवा विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से नहीं हटा पाई तो कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पी. चिदंबरम को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। बनर्जी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि गोवा में 14 फरवरी को होने वाले चुनाव से पूर्व गठबंधन के लिए तृणमूल कांग्रेस ने चिदंबरम को औपचारिक रूप से प्रस्ताव दिया था। तृणमूल के महासचिव बनर्जी ने कहा, 'जब हम यहां आए थे तब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दलों ने चिंता जाहिर की थी कि तृणमूल भाजपा विरोधी मतों को बांटने का प्रयास कर रही है।' अभिषेक ने कहा कि तृणमूल अध्यक्ष ममता बनर्जी ने समान विचारधारा वाले लोगों से गठबंधन करने का आह्वान किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि चिदंबरम अपनी पार्टी के हितों के लिए लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

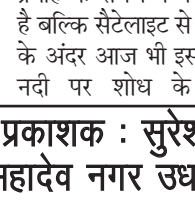

# नये संसद भवन के निर्माण की लागत में हो सकती है 200 करोड़ रुपये की वृद्धिः सूत्र

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)**

नये संसद भवन के निर्माण की अनुमानित लागत में 200 करोड़ रुपये की वृद्धि हो सकती है। इसकी वजह इस्पात, इलेक्ट्रॉनिक्स और जरूरत के अन्य सामान व कार्यों का खर्च बढ़ जाना बताया गया है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोकसभा सचिवालय इस सिलसिले में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को मंजरी दे सकता है। सूत्रों ने पीटीआई को बताया कि इस महीने की शुरूआत में सीपीडब्ल्यूडी ने लागत में वृद्धि को सैद्धांतिक मंजूरी देने का लोकसभा सचिवालय से अनुरोध किया था।

इस परियोजना के क्रियान्वयन का जिम्मा सीपीडब्ल्यूडी के पास है। उनके मुताबिक इस वृद्धि के बाद परियोजना की कुल लागत 1200 करोड़ रुपये हो जाने की उम्मीद है। नये संसद भवन के निर्माण का ठेका टाटा प्रोजेक्ट्स को 917 करोड़ रुपये में दिया गया था। इस भवन के निर्माण कार्य को इस साल अक्टूबर महीने तक पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है। कोशिश है कि संसद का शीतकालीन सत्र नये संसद भवन में हो। सूत्रों ने बताया कि सीपीडब्ल्यूडी ने निर्माण लागत में वृद्धि की वजह इस्पात की खरीद में होने वाली अत्यधिक लागत को बताया है क्योंकि इसे भूकंप रोधीनियमों के अनुरूप बनाया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक सीपीडब्ल्यूडी ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक्स पर खर्च इसलिए बढ़ गया है क्योंकि अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल सिस्टम लगाए जाने हैं जिनमें दोनों सदनों में सांसदों के बैठने के स्थान पर टैबलेट रखा जाना शामिल है।

सूत्रों का कहना है कि इसी प्रकार बैठक कक्षों और मंत्रियों के कमरों में उच्च गुणवत्ता वाले प्रौद्योगिकीय उपकरणों को लगाए जाने पर विचार किया जा रहा है। लागत में वृद्धि का एक अन्य कारण यह भी बताया गया है कि परियोजना को क्रियान्वित करने में उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निदेर्शों का भी पालन करना पड़ रहा है। मसलन, परियोजना स्थल से खुदाई की गई मिट्टी को बेचना नहीं है बल्कि उसे बदरपुर में प्रस्तावित इको पार्क में हस्तांतरित करने का शीर्ष अदालत का निर्देश है। एक सूत्र ने कहा, 'लोकसभा सचिवालय को इस परियोजना की लागत में वृद्धि को मंजूरी देने के अनुरोध संबंधी प्रस्ताव मिला है और इसे मंजूरी मिल सकती है।

### एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने पीएम नरेंद्र मोदी, बाइडन और बोरिस जॉनसन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित ग्लोबल लीडर अप्रूवल ट्रैकर मॉर्निंग कंसल्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की 71 प्रतिशत वयस्क आबादी के साथ दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। शोध फर्म द्वारा किए गए सर्वेक्षण में 13 नेताओं को शामिल किया गया था जिसमें पीएम मोदी 71 प्रतिशत के साथ सूची में सबसे ऊपर हैं, इसके बाद मेक्सिको के एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर (66 प्रतिशत), इटली के मारियो ड्रेगी (60 प्रतिशत) और जापान के फुमियो किशिदा (48 प्रतिशत) हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भले ही टॉप पर बने हुए हैं लेकिन इस बात को नकारने वालों की संख्या में लोग काफी ज्यादा है। पीएम मोदी को टॉप में जगह देने को न मानने वालों की सख्या 21 प्रतिशत है।

**पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता**

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और कनाडा के जस्टिन ट्रूडो को 43 प्रतिशत की स्वीकृति रेटिंग मिली और उन्हें क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर रखा गया। ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन 26 फीसदी अप्रूवल रेटिंग के साथ सर्वे में शामिल नेताओं में सबसे निचले पायदान पर हैं। पिछले दो सालों में पीएम मोदी की अनुमोदन रेटिंग 2 मई, 2020 को 84 प्रतिशत के उच्च स्तर को छू गई। 7 मई 2021 को उनकी अनुमोदन रेटिंग 63 प्रतिशत के साथ सबसे कम थी, जब कोरोनोवायरस की दूसरी लहर अपने चरम पर थी।

# अमर जवान ज्योति को राष्ट्रीय समर स्मारक की लौ में मिलाने पर पूर्व सैनिकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

पूर्व सैनिकों ने यहां इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति का राष्ट्रीय समर स्मारक पर जल रही लौ के साथ विलय किए जाने के केंद्र के निर्णय पर शुक्रवार को मिली-जुली प्रतिक्रिया व्यक्ति की। पूर्व एयर वाइस मार्शल मनमोहन बहादुर ने ट्विटर पर प्रधानमंत्री को टैग करते हुए उनसे इस आदेश को रद करने की अपील की। उन्होंने कहा, श्रीमान, इंडिया गेट पर जल रही लौ भारतीय मानस का हिस्सा है। आप, मैं और हमारी पीढ़ी के लोग वहां हमारे वीर जवानों को सलामी देते हुए बड़े हुए हैं।

बहादुर ने कहा कि एक ओर जहां राष्ट्रीय समर स्मारक का अपना महत्व है, वहीं दूसरी ओर अमर जवान ज्योति की स्मृतियां भी अतुल्य हैं। हालांकि पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ ने केंद्र के निर्णय पर संतोष व्यक्त किया। दुआ ने कहा, राष्ट्रीय समर स्मारक के डिजाइन चयन और निर्माण में भूमिका निभाने वाले व्यक्ति के रूप में मेरा विचार है कि इंडिया गेट प्रथम विश्व युद्ध के शहीद नायकों का स्मारक है। उन्होंने कहा कि अमर जवान ज्योति को 1972 में स्थापित किया गया था क्योंकि हमारे पास कोई और स्मारक नहीं था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय समर स्मारक देश की आजादी के बाद युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देता है और सभी श्रद्धांजलि समारोहों को पहले ही नए स्मारक में स्थानांतरितकिया जा चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय समर स्मारक का उद्घाटन किया था, जहां ग्रेनाइट के पत्थरों पर 25,942 सैनिकों के नाम सुनहरे अक्षरों में अंकित हैं। पूर्व कर्नल राजेंद्र भादुड़ी ने कहा कि अमर जवान ज्योति पवित्र है और इसे बुझाने की जरूरत नहीं है। भादुड़ी ने ट्विटर पर लिखा, इंडिया गेट पर उन भारतीय सैनिकों के नाम हैं जिन्होंने युद्ध के दौरान जान गंवाई। यह मायने नहीं रखता कि इसे किसने बनवाया। अमर जवान ज्योति का निर्माण 1971 के भारत-पाक युद्ध में जान गंवाने वाले भारतीय सैनिकों के लिए एक स्मारक के रूप में किया गया था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जनवरी, 1972 को इसका उद्घाटन किया था। पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल कमल जीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय समर स्मारक के उद्घाटन के बाद दोनों लौ का एक होना लाजमी है। पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल अनिल दुहून ने ट्विटर पर कहा कि अगर किसी के जैसी कोई चीज नहीं बना सकते सकते, तो उसे ही तोड़ दो नए भारत के लिए भाजपा का मंत्र है। उन्होंने कहा कि अमर जवान ज्योति इतनी पवित्र है कि उसे छुआ या स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।

### अभी दिल्ली में जारी रहेगा वीकेंड कर्फ्यू, केजरीवाल सरकार के प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने नहीं दी मंजूरी

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)**

नए साल के शुरूआत में दिल्ली में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों को देखते हुए कई पाबंदियां लगाई गई थीं। इसी दौरान दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू का भी ऐलान किया गया था। हालांकि, अब राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस के नए मामलों में गिरावट देखी जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार की ओर से उपराज्यपाल को इन पाबंदियों को हटाने का प्रस्ताव भेजा गया था। हालांकि दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने फिलहाल इसकी मंजूरी नहीं दी है। इसका मतलब साफ है कि अभी भी दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू जारी रहेगा। साथ ही साथ बाजार भी अभी भी ऑड-इवन के फामूर्ले पर ही खुलेंगे।

दिल्ली में अबे प्राइवेट दफ्तर 50 फीसदी क्षमता के साथ खुल सकते हैं। केजरीवाल सरकार के इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने मंजूरी दे दी है। अब तक दिल्ली में निजी दफ्तरों को पूरी तरीके से बंद रखने को कहा गया था। निजी दफ्तरों को work-from-home लागू करने के लिए भी कहा गया था। दुकानें भी अभी ऑड-इवन सिस्टम के हिसाब से ही खुल रही हैं। हालांकि, अब व्यापारियों में इसको लेकर काफी निराशा है। केजरीवाल सरकार की ओर से दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू को हटाने का उपराज्यपाल को प्रस्ताव भेजा गया था। साथ ही साथ दुकानों को भी पूरी क्षमता के साथ खोलने के लिए मंजूरी मांगी गई थी। आपको बता दें कि कोरोना वायरस के मामले दिल्ली में तो कम हुए हैं लेकिन देश में बढ़े हैं।

# जहरीली शराब से जुड़े लोगों पर सरकार सख्त कार्रवाई करेगीः सीएम

**धर्मशाला। (एजेंसी)**

प्रदेश के मंडी के सुंदर नगर इलाके में जहरीली शराब पीने से मंडी में हुई सात लोगों की मौत के मामले में सरकार अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाएगी। यह बात मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कही। हालांकि इससे पहले विपक्षी दल कांग्रेस सरकार पर माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन सीएम ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार इस मामले में ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इस मामले की जांच के लिए एसआईटी भी गठित कर दी गई है तथा डीजीपी को भी मौके पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मामले की पूरी जांच होगी। सीएम ने कहा कि आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारियों को भी जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस की ओर से गठित एसआईटी ने अपना काम शुरू कर दिया है। यह शराब कहां से लाई गई थी और उस सारे मामले की जांच होगी, वजह क्या रही, शराब में क्या मिलाया गया था इसकी पड़ताल होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दोबारा ऐसी घटना न हो इसके लिए कदम उठाने को कहा है। इस बीच,इलाके में जहरीली शराब को लेकर अब पुलिस भी जागी है। व शराब माफिया से जुड़े लोगों की गिरफ्तारियां भी शुरू हुई हैं। वहीं जिन घरों के चिराग बुझे हैं। उन घरों में मातम पसरा है। तो इलाके के लोगों में पुलिस के रवैये को लेकर आक्रोश भी है।

सी एम ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के बढ़ रहे मामलों और मृत्यु के आंकड़ों पर कहा कि प्रदेश में भी कोरोना के मामले बढ़े हैं और मौतें भी हुई हैं, ऐसे में कोरोना को हल्के में न लें। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जो गाइडलाइन्स जारी की गई हैं उनकी पालना करें। उन्होंने कहा कि संक्रमण का दौर पूरे प्रदेश भर में चल रहा है। यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि अभी पीक आना बाकी है, इसलिए सावधानी से काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने नगरोटा बगवां व ज्वाली मंडल के कार्यकताओं से उनके इलाकों में सरकार द्वारा हो रहे कार्यों को लेकर फीडबैक ली। बैठक में पार्टी व सरकार के अंदर और बेहतर समन्वय के साथ कैसे काम कर सकते हैं इस पर बैठक में चर्चा हुई है। मिशन रिपीट को लेकर विस्तार से चर्चा के साथ सुझाव भी कार्यकताओं से लिए गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनावों से पहले संगठन को पूरी तरह से चुस्त दुरुस्त करने व सही दिशा देने के लिए टिप्स भी दिए।

# प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में अशोक गहलोत बोले- देश में तनाव और हिंसा का माहौल है

**जयपुर। (एजेंसी)**

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मने शांति सद्भाव पर जोर देते हुए बृहस्पतिवार को एक बार फिर कहा कि देश में तनाव और हिंसा का माहौल है। उन्होंने कहा कि सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही समाज और देश आगे बढ़ सकता है। गहलोत माउंट आबू स्थित ब्रह्म कुमारीज संस्थान द्वारा आयोजित 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' कार्यक्रम के शुरूआत समारोह को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शरीक हुए थे। गहलोत ने कहा, ह्य हम चाहते हैं कि देश में शांति-सद्भाव-भाईचारा उत्पन्न हो, मजबूत हो, जिसकी आज सबसे बड़ी आवश्यकता भी है क्योंकि थोड़ा देखने में आ रहा है कि देश के अंदर तनाव का, हिंसा का माहौल है।

उससे छुटकारा मिले, यह आपकी-हमारी, हम सबकी इच्छा है।' उन्होंने कहा, ' मैं समझता हूं कि सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही हम समाज को और इस देश को आगे बढ़ा सकते हैं। जहां शांति होगी, वहां विकास होगा। इसलिए, शांति-सद्भाव-भाईचारा-सत्य-अहिंसा हमारे मूल मंत्र हैं, मुझे लगता है कि इन्हें मजबूत करने का काम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का परिवार बहुत अच्छे ढंग से निभा सकता है, यह मेरा विश्वास है।' उन्होंने कहा कि भविष्य की पीढ़ी को सत्य-अहिंसा-भाईचारा-सद्भावना के माहौल में शिक्षित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, '75 साल में हम लोग इस देश को कहां से कहां ले आए हैं और प्रधानमंत्री मोदी जब दुनिया के मुल्कों में जाते हैं , तब इस देश को मान-सम्मान मिलता है क्योंकि देश ने 75 साल विज्ञान व तकनीकी सहित हर क्षेत्र में तरक्की की है।' गहलोत ने कहा, 'प्राचीन काल से ही हमारे यहां वसुधैव कुटुंबकम की बात की गई है। हमारे ऋषि-मुनियों ने, हमारे पूर्वजों ने, प्राचीन काल से ही वसुधैव कुटुंबकम, पूरा विश्व हमारा कुटुंब है सिखाया है। ऐसी भावना रखने वाला देश है हमारा हिन्दुस्तान और हमें इसपर बहुत गर्व महसूस होता है कि हमारे संस्कार-संस्कृति-परंपराएं महान हैं।' वहीं भाजपा की राजस्थान इकाई ने इस वर्चुअल कार्यक्रम में मुख्यमंत्री गहलोत के भाषण एक हिस्से को 'सोच का फर्क है' शीर्ष से ट्वीट किया है। इस क्लिप में गहलोत देश में हिंसा और तनाव के माहौल की बात कर रहे हैं वहीं प्रधानमंत्री मोदी देश में भेदभाव मुक्त व्यवस्था, सामाजिक न्याय और नए विचार व दृष्टिकोण के बारे में बोल रहे हैं। भाजपा ने लिखा है, 'एक तरफ कांग्रेस की नफरत वाली सोच है, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सकारात्मक सोच है।' वहीं मुख्यमंत्री गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा ने भाजपा के वीडियो के जवाब में लिखा है, '1.39 मिनट के तुलनात्मक वीडियो में मुख्यमंत्री की 26 सेकेंड की क्लिप लेकर सोच की तुलना करना किस प्रकार की सोच है? मुख्यमंत्री ने वसुधैव कुटुंबकम की बात की है, उनकी सोच है देश में शांति-सद्भाव-भाईचारा मजबूत हो जिसकी सबसे बड़ी आवश्यकता है.. आग्रह है ऐसा दुष्प्रचार न करें व इसे पूरा सुनें।

# आदिबद्री डैम बनने से होगा सरस्वती का पुनरुद्धारः मुख्यमंत्री मनोहर लाल

**चंडीगढ़। (एजेंसी)**

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आदिबद्री डैम के निर्माण से वर्षों पहले विलुप्त हुई सरस्वती नदी का पुनरुद्धार होगा। आदिकाल से पूजनीय सरस्वती नदी के प्रवाह स्थल के आसपास धार्मिक मान्यताएं पुनः जागृत होंगी, इसके साथ-साथ यह क्षेत्र तीर्थाटन के रूप में भी विकसित होगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को पंचकूला के पीडब्लूडी विश्राम गृह में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के साथ आदिबद्री में डैम के निर्माण से संबंधित समझौता ज्ञापन (एमओयू) समारोह के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा के मुख्य सचिव श्री संजीव कौशल व हिमाचल के मुख्य सचिव राम सुभाग सिंह ने दोनों मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में डैम निर्माण हेतू समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज उनका 35 साल पुराना सपना साकार हुआ है। उन्होंने वर्ष 1986-87 में सरस्वती के पुनरुद्धार के संबंध में हो रहे अनुसंधान से संबंधित यात्रा की थी। यह यात्रा यमुनानगर के आदिबद्री से शुरू होकर कच्छ तक पहुंची थी। उन्होंने कहा कि आदिबद्री डैम बनने से 20 क्यूसिक पानी निरंतर सरस्वती नदी में प्रवाहित होगा। इससे पूरा वर्ष सरस्वती में पानी का प्रवाह रहेगा। उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी के प्रवाह के संबंध में न केवल धार्मिक मान्यता है बल्कि सैटेलाइट से स्पष्ट हुआ है कि जमीन के अंदर आज भी इसका प्रवाह है। सरस्वती नदी पर शोध के संबंध में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में पीठ की स्थापना कर रखी है, इसके अतिरिक्त हरियाणा सरस्वती हैरिटेज डेवलेपमेंट बोर्ड की स्थापना की गई है। हरियाणा सरकार ने आदिबद्री से कैथल होते हुए घग्गर नदी तक 200 किलोमीटर दूरी के क्षेत्र को सरस्वती नदी के लिए अधिसूचित किया है। राजस्व रिकॉर्ड में भी इसका जिक्र मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि यह डैम हिमाचल प्रदेश क्षेत्र के 31.66 हैक्टेयर भूमि पर बनाया जाएगा, इस पर 215.33 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसमें हर वर्ष 224.58 हैक्टेयर मीटर पानी का भंडारण होगा। इसका 61.88 हैक्टेयर मीटर पानी हिमाचल प्रदेश को तथा शेष करीब 162 हैक्टेयर मीटर पानी हरियाणा को मिलेगा। इस पानी को सरस्वती नदी में प्रवाहित किया जाएगा। इस डैम की चौड़ाई 101.06 मीटर तथा ऊंचाई 20.5 मीटर होगी। डैम से 20 क्यूसिक पानी सालभर सरस्वती नदी में प्रवाहित होगा। इस प्रोजेक्ट का मकसद सरस्वती नदी के पुनरूद्धार के साथ-साथ भूमिगत जल स्तर को बढ़ाना है। डैम के शुरू होने से बारिश के दिनों में अत्यधिक वर्षा से पैदा होने वाली बाढ़ की स्थिति से भी निपटा जा सकेगा। इसके नजदीक बनने वाली झील से पर्यटन बढ़ेगा। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि आदिबद्री डैम बनने से इसके आसपास का क्षेत्र तीर्थाटन के रूप में भी विकसित होगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से कालका से कलेसर तक का क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र में आदिबद्री, लोहागढ़, कपालमोचन, माता मंत्रादेवी सहित अनेक धार्मिक व पर्यटन स्थल आते हैं। डैम के साथ-साथ यहां झील बनने से बहुत से पर्यटक आएंगे, इससे दोनों प्रदेशों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के साथ मिलकर कई परियोजनाओं पर काम किया जाएगा. जिसमें हथनीकुंड बैराज पर डैम बनाया जाना भी शामिल है। इस डैम से बिजली उत्पादन के साथ-साथ यमुना नदी में भी साफ पानी का निरंतर प्रवाह संभव हो सकेगा। इस डैम में पहाड़ों से हथनीकुंड बैराज पर आने वाले पानी को संचित किया जाएगा जिससे फसलों को बाढ़ जैसी स्थिति से भी बचाया जा सकेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# 50 दिन में दम तोड़ देगा कोरोना

## भारतीय वैज्ञानिक का दावा- नया वैरिएंट नहीं आया तो 11 मार्च तक कम हो जाएगा संक्रमण का असर



नई दिल्ली। भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के टॉप साइंटिस्ट समीरन पांडा का एक बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा है कि अगर ओमिक्रॉन के बाद कोरोना का कोई नया वैरिएंट नहीं आता है, तो 11 मार्च तक ये महामारी एंडेमिक स्टेज में आ जाएगी। इसका मतलब वायरस के संक्रमण की रफ्तार काफी धीमी हो जाएगी। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (उउ्ळ) के मुताबिक, कोई बीमारी एंडेमिक स्टेज में तब मानी जाती है जब उसकी मौजूदगी स्थाई और संक्रमण सामान्य हो जाता है। ऐसे में महामारी का असर कम लोगों या किसी खास इलाके तक सीमित हो जाता है। इसके साथ ही वायरस भी कमजोर हो चुका होता है। इसके अलावा लोग भी उस बीमारी के साथ जीना सीख जाते हैं। मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड के डॉ निरंजन पाटिल कहते हैं कि ओमिक्रॉन कोरोना के पिछले वैरिएंट्स के मुकाबले माइल्ड है। ये फेफड़ों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाता, जिससे निमोनिया, ऑक्सिजन की कमी हो या क्लव में भर्ती होने की जरूरत पड़े। ओमिक्रॉन के 85-90% मामलों में मरीज को इसके कोई लक्षण नहीं आते। टोरंटो यूनिवर्सिटी की इम्यूनोलॉजिस्ट जेनिफर गोम्मरमैन कहती हैं कि मौजूदा वैक्सीन और उनके बूस्टर डोज हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं। इससे हम कोरोना से होने वाली गंभीर बीमारियों की चपेट में आने से भी बच जाते हैं। दुनिया भर की कई कंपनियां ओमिक्रॉन को निशाना बनाने के लिए नई तरह



की वैक्सीन भी तैयार कर रही हैं। दक्षिण अफ्रीका में हुई एक हालिया रिसर्च में पाया गया है कि ओमिक्रॉन संक्रमण होने पर डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी बनती है। हालांकि, यह तभी मुमकिन है जब मरीज फुली वैक्सीनेटेड हो। अमेरिका के टॉप साइंटिस्ट एंथनी फौसी के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट से दुनिया में लगभग सारे लोग संक्रमित होंगे। अगर ऐसा होता है तो ओमिक्रॉन विश्व में एक डॉमिनेंट कोरोना वैरिएंट बन जाएगा और लोगों में इसके खिलाफ नेचुरल इम्यूनिटी बन जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि जो वायरस लोगों की जान लेता है, वह उन्हीं के साथ मर जाता है। नेचर में वायरस का वही रूप जीवित रह पाता है, जिसके साथ दुनिया की बड़ी आबादी जिंदा रह सके।

**संक्षिप्त खबरें**

### मुजफ्फरनगर से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस नेता ने दी आत्मदाह की धमकी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता मेहराज जहां ने आगामी यूपी चुनावों के लिए मुजफ्फरनगर जिले से टिकट नहीं मिलने के बाद आत्मदाह करने की धमकी दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कई सालों तक वह पार्टी के लिए काम करती रही हैं। इसके बाद भी पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया जो उनके साथ अन्याय है। बता दें कि मुजफ्फरनगर की पार्टी सचिव जहां को कांग्रेस से टिकट न मिलने के बाद रोते देखा गया था। इसके बाद किसी ने उनका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मेहराज जहां कांग्रेस से टिकट न मिलने की बात पर रोते दिख रही हैं। मेहराज ने रोते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं पर टिकट के लिए पैसे मांगने का भी आरोप लगाया है। यही नहीं मेहराज ने कई सालों से पार्टी के साथ काम कर रहे लोगों को टिकट नहीं देने पर निराशा भी जताई है। उन्होंने पार्टी नेताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी का 'लड़की हूं लड़ शक्ति हूं' अभियान एक मात्र टैगलाइन है। मैं सालों से कांग्रेस का झंडा पकड़े हुए हूं लेकिन आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हूं। मीडिया से बातचीत के दौरान मेहराज ने कहा, 40 प्रतिशत फामूर्ले के अनुसार, पार्टी को जिले की छह सीटों के लिए कम से कम दो महिला उम्मीदवारों को मंजूरी देनी चाहिए थी। प्रियंका गांधी वाड्रा कहती हैं 'लड़की हूं लड़ शक्ति हूं' लेकिन कांग्रेस पार्टी को बेटियों की परवाह नहीं है। अगर मुझे इंसाफ नहीं मिला तो मैं आत्महत्या कर लूंगी। मीडिया से बात करते हुए मेराज जहां ने पिछले 13 साल से पार्टी में अपने काम के बारे में भी बात की।

## यूपीः प्रियंका से पूछा गया कांग्रेस का सीएम चेहरा कौन? उन्होंने कहा, आपको मेरे सिवाय कोई और दिखता है

**नई दिल्ली।** अगले माह से शुरू हो रहे उत्तर प्रदेश के चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों की सियासत तेज हो गई है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी और बसपा के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तो तय हैं लेकिन कांग्रेस ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। हालांकि शुक्रवार को जब राहुल और प्रियंका गांधी ने यूपी के युवाओं के लिए युवा घोषणापत्र जारी किया तो एक पत्रकार ने उनसे इस बारे में सवाल किया जिस पर उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया जो साफ करता है कि आगामी चुनावों में कांग्रेस का सीएम दावेदार कौन होगा। घोषणापत्र जारी करने के बाद प्रियंका और राहुल ने मीडिया के सवालों का जवाब दिया। इस बीच एक पत्रकार ने प्रियंका से पूछा- जब आपसे पूछा जाता है कि क्या आप चेहरा होंगी या आप मुखर तरीके से आगे होंगी, लेकिन आपने कभी जवाब दिया नहीं। आप हमेशा कहती हैं कि जब टाइम आएगा तो



बताएंगी। पंजाब में आपकी पार्टी कहती है कि कलेक्टिव लीडरशिप में चुनाव लड़ा जाएगा, मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर हमेशा सवाल उठते रहते हैं... इस पर प्रियंका ने कहा, आपको यूपी में किसी और का चेहरा दिख रहा है? यूपी में कांग्रेस पार्टी की तरफ से...? तो फिर... यानी आप ही चेहरा हैं...? दिख तो रहा है न सब जगह मेरा चेहरा...। इससे पहले प्रियंका गांधी ने पार्टी का युवा घोषणापत्र जारी करते हुए 20 लाख नौकरियों समेत युवाओं के कई मुद्दों का समाधान अपने मेनिफेस्टो में करने की कोशिश की।

## भाजपा ने जारी की 34 उम्मीदवारों की पहली सूची

### डॉक्टर-वकील और किसान चेहरे शामिल

**चण्डीगढ़।** पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने 34 उम्मीदवारों की पहली सूची शुक्रवार को जारी कर दी। भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम ने उम्मीदवारों की सूची जारी की। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने बताया कि पार्टी की पहली सूची में किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले 12 उम्मीदवारों को, अनुसूचित जाति समुदाय के आठ लोगों को और 13 सिखों को टिकट दिए गए हैं। सूची में डॉक्टर, वकील, खिलाड़ी, किसान, युवा, महिलाएं और पूर्व आईएएस शामिल हैं। भाजपा ने सुजानपुर से दिनेश बब्बू, दीनानगर से रेणु कश्यप, श्री हरगोबिंदपुर से बलजिंदर सिंह डकोहा, अमृतसर उत्तरी से सुखविंदर सिंह पिंटू, तरनतारन से नवरीत सिंह सफीपुर,



कपूरथला से रणजीत सिंह खोजेवाला, जालंधर पश्चिम से महिंदर पाल भगत को टिकट दी है।

भाजपा के 34 उम्मीदवारों की सूचीः सुजानपुर - दिनेश सिंह बब्बू, दीनानगर - रेणु कश्यप, हरगोबिंदपुर - बलजिंदर सिंह डकोहा, अमृतसर उत्तर - सुखविंदर सिंह पिंटू, तरनतारन - नवरीत सिंह सफीपुर, कपूरथला --- रणजीत सिंह खोजेवाल, जालंधर पश्चिम - महिंदर पाल भगत, जालंधर सेंट्रल - मनोरंजन कालिया, जालंधर उत्तर - कृष्ण देव भंडारी, मुकेरिया - जंगीलाल महाजन,दसूहा- रघुनाथ राणा, होशियारपुर- तीक्ष्ण सूद, छब्बेवाल - डॉ. दिलबाग राय , गढ़शंकर - नमिषा मेहता, बंगा - मोहन लाल बंगा, बलाचौर - अशोक बाथ, फतेहगढ़ साहिब - दीदार सिंह भट्टी, अमलोह - कंवरवीर सिंह टोहरा, खन्ना - गुरप्रीत सिंह भट्टी, लुधियाना सेंट्रल - गुरदेव शर्मा, लुधियाना पश्चिम - बिक्रम सिंह सिद्धू, गिल- एसआर लड्डर, जगरांव- कवर नरिंदर सिंह, फिरोजपुर शहर - राणा गुरमीत सिंह सोढी, जलालाबाद-- पूरन चंद, फाजिल्का - सुरजीत कुमार जियनी, अबोहर - अरुण नारंग, मुक्तसर - राजेश फतेला, फरीदकोट - गौरव कक्कड़, भुच्चोमंडी - रूपिंदर सिंह सिद्धू, तलवंडी साबो - रवि सिंह सिद्धू, सरदुलगढ़ - जगजीत सिंह मिल्खा, संगरूर - अरविंद खन्ना, डेराबस्सी - संजीव खन्ना।

## चिराग पासवान का दावाः बिहार में मध्यावधि चुनाव के आसार, आपस में लड़ रहे हैं एनडीए के घटक दल

नई दिल्ली। एनडीए के पूर्व सहयोगी चिराग पासवान ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार मध्यावधि चुनाव के लिए तैयार है क्योंकि सत्तारूढ़ एनडीए के घटक दल एक-दूसरे से उलझ गए हैं। चिराग ने दावा किया कि जल्दी चुनाव की संभावना तब साफ हो गई जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में एक राज्यव्यापी दौरे की योजना बनाई। चुनावों का सामना करने तक वह ऐसा कभी नहीं करते। चिराग मुख्य रूप से राज्य में शराबबंदी कानून को लागू करने के तरीके को लेकर नीतीश कुमार के जद (यू) और भाजपा के बीच हाल के झगड़ों के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। लोक जनशक्ति पार्टी के एक अलग गुट के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि जब से विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हैं, मैं कह रहा हूं कि यह सरकार टिकने वाली नहीं है। पिछले साल पश्चिम चंपारण जिले में जहरीली शराब पीने वालों



के परिवार के सदस्यों की मदद करने की पेशकश को लेकर जद (यू) के एक प्रवक्ता द्वारा राज्य भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल की खिंचाई करने के बाद विवाद खड़ा हो गया। जायसवाल जद (यू) के संसदीय बोर्ड के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के साथ एक साहित्य अकादमी विजेता नाटककार द्वारा सम्राट अशोक की कथित बदनामी को लेकर भी वाकयुद्ध में उलझे हुए हैं। इस नाटककार को भगवा पार्टी का करीबी माना जाता है। चिराग पासवान ने विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी की नाराजगी का भी जिक्र किया जो 2020 में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एनडीए में शामिल हुई थी।

## अमर जवान ज्योतिः शहीदों की मशाल का अब नया पता होगा

### राष्ट्रीय युद्ध स्मारक ले जाई गई ज्योति

**नई दिल्ली।** इंडिया गेट पर बने अमर जवान ज्योति की मशाल की लौ 21 जनवरी से बंद हो गई। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में इस मशाल को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की लौ में मिला दिया गया। भारतीय सेना के अधिकारी ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता एयर मार्शल बलभद्र राधा कृष्ण ने की। उनके द्वारा ही लौ को मिलाया गया। बता दें कि इंडिया गेट स्मारक ब्रिटिश सरकार ने 1914-21 के बीच जान गंवाने वाले ब्रिटिश भारतीय सैनिकों की याद में बनाया था। बाद में अमर जवान ज्योति को 1970 में पाकिस्तान पर भारत की बड़ी जीत के बाद युद्ध स्मारक में शामिल किया गया था। वहीं इंडिया गेट परिसर में बने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का 2019 में उद्घाटन किया गया था। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में उन सभी भारतीय रक्षा कर्मियों के नाम हैं, जिन्होंने 1947-48 से विभिन्न अभियानों में अपनी जान गंवाई है। पाकिस्तान के साथ गलवान घाटी में युद्ध चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष। आतंकवाद विरोधी अभियानों में जान गंवाने वाले सैनिकों के नाम भी स्मारक की दीवारों पर शामिल हैं। राहुल गांधी ने इस फैसले का विरोध जताते हुए एक ट्वीट किया है और उसमें बिना किसी का नाम लिए लिखा है कि कुछ लोग देशप्रेम



व बलिदान नहीं समझ सकते। राहुल ने ट्वीट किया, 'बहुत दुख की बात है कि हमारे वीर जवानों के लिए जो अमर ज्योति जलती थी, उसे आज बुझा दिया जाएगा। कुछ लोग देशप्रेम व बलिदान नहीं समझ सकते- कोई बात नहींङ्क हम अपने सैनिकों के लिए अमर जवान ज्योति एक बार फिर जलाएंगे!' अमर जवान ज्योति को नेशनल वार मेमोरियल (राष्ट्रीय युद्ध स्मारक) में विलय करने पर कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जो भी हो रहा है, वह राष्ट्रीय शोक का विषय है और यह इतिहास को दोबारा लिखने का प्रयास है। अमर जवान ज्योति का वार मेमोरियल में विलय करना की ज्योति में विलय करने का मतलब इतिहास को मिटाना है। भाजपा ने नेशनल वार मेमोरियल का निर्माण कराया है, जिसका यह मतलब नहीं कि वे अमर जवान ज्योति को बुझा सकते हैं। भारतीय सेना के पूर्व डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) विनोद भाटिया ने कहा कि आज महान मौका है जब इंडिया गेट स्थित अमर जवान ज्योति का नेशनल वार मेमोरियल में विलय किया जा रहा है। यह अच्छा निर्णय है। अमर जवान ज्योति का नेशनल वार मेमोरियल में विलय करने का समय आ गया है। 49 साल से स्वतंत्रता दिवस के उद्घोषक रिटायर्ड ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत ने बताया कि इंडिया गेट, वार मेमोरियल का निर्माण अंग्रेजों ने किया था। नेशनल वार मेमोरियल का निर्माण उन सैनिकों की याद में किया गया, जिन्होंने 1947 के बाद देश के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। अमर जवान ज्योति नेशनल वार मेमोरियल में विलय कर जाएगी। साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया था, तब ही यह फैसला किया गया था कि अमर जवान ज्योति की मूल लौ यहीं जलाई जाएगी। जब तक राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का निर्माण नहीं हुआ था तब तक गणतंत्र दिवस के मौके पर राष्ट्रपति, सेना प्रमुख और अन्य लोग अमर जवान ज्योति पर ही शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर उनका सम्मान करते थे लेकिन युद्ध स्मारक के निर्माण के बाद यह पूरी प्रक्रिया यहां स्थानांतरित हो गई।

## प्रधानमंत्री मोदी ने किया बड़ा ऐलान, इंडिया गेट पर लगेगी सुभाष चंद्र बोस की भव्य मूर्ति

**नयी दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान किया कि इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब पूरा देश नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मना रहा है, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि ग्रेनाइट से बनी उनकी भव्य प्रतिमा इंडिया गेट पर स्थापित की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब तक नेताजी बोस की भव्य प्रतिमा बनकर तैयार नहीं हो जाती, तब तक उनकी होलोग्राम प्रतिमा उसी स्थान पर मौजूद रहेगी। मैं 23



जनवरी को नेताजी की जयंती पर होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करूंगा। इसी बीच गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज घोषणा की है कि नई दिल्ली के प्रतिष्ठित इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। महान नेताजी को एक उचित श्रद्धांजलि है, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए सब कुछ दिया।

## सपा प्रत्याशी नाहिद हसन का पर्चा खारिज होने की बहन को आशंका, खुद भी कैराना से किया नामांकन

कैराना। सपा प्रत्याशी नाहिद हसन की बहन इकरा हसन ने भी कैराना से निर्दल प्रत्याशी के रूप में पर्चा दाखिल कर दिया है। नाहिद हसन को सपा की तरफ से नामांकन के एक दिन बाद ही गैंगस्टर एक्ट में गिरफ्तार किया गया था। बहन इकरा को आशंका है कि भाई नाहिद का पर्चा खारिज हो सकता है। इसी को देखते हुए उन्होंने नामांकन दाखिल किया है। सपा की तरफ से भी पहले इस बात का इशारा किया गया था कि नाहिद की गिरफ्तारी को देखते हुए उनकी बहन को मैदान में उतारा जा सकता है। नामांकन के बाद इकरा ने कहा



कि उन्हें सरकार पर भरोसा नहीं है। उनके भाई नाहिद को रोकने के लिए उनका नामांकन सरकार खारिज कर सकती है। कई आपराधिक मुकदमों का सामना कर रहे नाहिद हसन को गैंगस्टर ऐक्ट में गिरफ्तार किया गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नाहिद हसन को टिकट देने को लेकर जहां सपा को घेर रही है तो वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव नाहिद के बचाव में कह चुके हैं कि बीजेपी सरकार में उनके नेताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज किए गए। सपा ने अब चुनाव आयोग के नियम के मुताबिक, सोशल मीडिया और वेबसाइट पर नाहिद हसन के खिलाफ चल रहे आपराधिक केसों की जानकारी साझा करते हुए बताया है कि पार्टी ने उन्हें क्यों अपना प्रत्याशी बनाया है। पार्टी ने उन्हें समाजसेवक बताते हुए कहा कि वह दूसरे सभी आवेदकों से बेहतर थे। सपा ने आपराधिक केसों के बावजूद नाहिद हसन को टिकट देने की वजह बताते हुए कहा है कि उन्होंने बहुत मानवीय काम किया है।

## उत्तर प्रदेश चुनावः 10 घंटों के इंतजार के बाद भी अमित शाह से नहीं मिल सकीं अपर्णा, गृहमंत्री ने नहीं दिया समय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव को अपने पाले में लाकर भाजपा खुद की पीठ थपथपा रही है। अपने परिवार की पार्टी सपा का साथ छोड़कर अपर्णा ने भाजपा का हाथ तो थाम लिया, लेकिन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह से मिलना अपर्णा के लिए अब भी मुश्किल बना हुआ है। भाजपा की सदस्यता लेने के बाद यूं तो अपर्णा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर यूपी के तमाम भाजपा नेताओं से मुलाकात की। लेकिन अमित शाह से मुलाकात नहीं हो की। सूत्र बता रहे हैं कि शाह से मिलने के लिए पार्टी में आने के बाद पहले ही दिन अपर्णा को करीब 10 घंटे इंतजार करना पड़ा। इसके बावजूद दोनों की मुलाकात नहीं हो सकी। भाजपा मुख्यालय से अपर्णा को खाली हाथ लौटना पड़ा। गुरुवार को भी नई भाजपा नेत्री और शाह की मुलाकात की कोई खबर सामने नहीं आई। न ही भाजपा की ओर से या फिर अपर्णा की ओर से शाह की मुलाकात का कोई फोटो सोशल मीडिया पर डाला गया। भाजपा कह रही है कि



गृहमंत्री विधानसभा चुनावों की बैठक में व्यस्त होने के चलते समय नहीं दे सके। लेकिन राजनीतिक हलकों में मुलाकात के लिए इस लंबे इंतजार के भी अपने मतलब निकाले जा रहे हैं। बुधवार को भाजपा में शामिल होने के बाद अपर्णा यादव ने कहा कि मैं हमेशा से पीएम से प्रभावित रहती थी, मेरे चिंतन में सबसे पहले राष्ट्र है। अब मैं राष्ट्र की आराधना करने निकली हूं। मैं स्वच्छ भारत मिशन, महिलाओं के लिए स्वावलंबित जीवन समेत भाजपा की अन्य सभी योजनाओं से प्रभावित रही हूं। मैं भाजपा का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे पार्टी का हिस्सा बनने का मौका दिया। अपर्णा बिष्ट का जन्म 01 जनवरी 1991 को हुआ था। उनके पिता अरविंद सिंह बिष्ट एक मीडिया कंपनी में थे। सपा सरकार में वह सूचना आयुक्त भी रहे। अपर्णा की मां अंबी बिष्ट लखनऊ नगर निगम में अधिकारी हैं। अपर्णा की स्कूली पढ़ाई लखनऊ के लोरेटो कॉन्वेंट इंटरमीडिएट स्कूल से हुई है। अपर्णा ने ब्रिटेन की मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल रिलेशन एंड पॉलिटिक्स में मास्टर डिग्री ली है। अपर्णा ने भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय में नौ साल तक शास्त्रीय संगीत में औपचारिक शिक्षा ग्रहण की है। वह ठुमरी गायन में निपुण हैं। बता दें, अपर्णा यादव को घूमने का शौक है और वह कई यूरोपियन देश में घूम चुकी हैं। स्कूल के दिनों में ही अपर्णा की मुलाकात सपा नेता मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक से हुई थी।


**कार्यालय ऑफिस**

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

**समस्या आपकी हमें भेजे**

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

**कार्यालय ऑफिस**

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com